भीलवाड़ा/ मंगलवार 26 नवम्बर 2024

नमस्ते राजस्थान

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

वर्ष: 09: अंक: 26 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

प्रदेश के स्कूल पाठ्यक्रम में बड़े बदलाव की तैयारी, आईटी और एआई शिक्षा पर होगा जोर

जयपुर।

विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा में भारत को यदि अग्रणी बनाना है, तो आईटी और एआई के क्षेत्र में नंबर 1 बनना अनिवार्य है। यह तभी संभव हो सकेगा जब छात्र स्कूल स्तर पर ही इन क्षेत्रों से जुड़ सकें। इसी दृष्टिकोण से राजस्थान में स्कूल शिक्षा के पाठ्यक्रम की व्यापक समीक्षा की जा रही है। सोमवार को पाठ्यक्रम समीक्षा समिति ने इस विषय पर मंथन किया और आने वाले महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर कक्षा 1 से 12वीं तक के पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

उदयपुर राजपरिवार में 'राजतिलक' की रस्म पर बवाल, सिटी पैलेस के बाहर लाठीचार्ज

उदयपुर।

उदयपुर के पूर्व सांसद और पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बड़े बेटे विश्वराज के राजतिलक की रस्म पर बवाल हो गया है। महेंद्र सिंह मेवाड़ के भाई और विश्वराज के चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के परिवार ने नाखुशी जताई। परंपरा निभाने से रोकने के लिए उदयपुर के सिटी पैलेस के दरवाजे बंद कर दिए थे। चित्तौड़गढ़ में महाराणा के रूप में चितौड़ में राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह समर्थकों के साथ उदयपुर सिटी पैलेस पहुंचे।

अब सोना उगल रही हमारी मरूधरा.. अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

केजीएफ भूल जाओ; अब आ गया 'एसजीएफ'..

'सुनहरे राजस्थान' में सोने का सबसे बड़ा भंडार!

जयपुर।

मरूधरा की धरती सोना उगलने जा रही है। राज्य के आदिवासी इलाकों में देश का सबसे बड़ा एक हजार टन का सोने का भंडार मिला है। इसका ब्लॉक बनाकर अब माइनिंग विभाग ऑक्शन कर रहा है। बांसवाड़ा के 9.4 वर्ग किलोमीटर में 222.39 टन सोने का पता लगाए जाने के बाद पहली छोटी खदान जगपुरा-भूकिया की नीलामी की गई है। खनिज अभियंता गौरव मीणा ने कहा कि जिस फर्म को ठेका मिला है। उसने 100 करोड़ जमा करा दिए हैं। अब फर्म को एलओआई जारी होना है, उसके बाद काम शुरू हो पाएगा। रतलाम की इस फर्म ने सरकार के साथ आठ हजार करोड़ का एमओयू किया है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और झारखंड के बाद अब राजस्थान सोने का खनन करने वाला चौथा राज्य हो गया है।

कर्नाटक के भू-वैज्ञानिक डॉ. वीएन वासुदेव की टीम को सोने की मात्रा पता करने की जिम्मेदारी दी गई थी। डॉ. वासुदेव की सौंपी रिपोर्ट के अनुसार हर साल बांसवाड़ा से लेकर उदयपुर के सलूम्बर तक फैले इलाके से 25 टन का सोना निकाला जा सकता है। भू वैज्ञानिक वासुदेव ने इस एरिया को चिह्नित कर एसजीएफ नाम दिया है। यह पूरा इलाका 1270 वर्ग किलोमीटर में फैला है। आदिवासी इलाकों के 26 गांवों के 60 स्थानों पर स्वर्ण भंडार का पता चला है।

प्रदेश में मिला देश का सबसे बड़ा सोने का भंडार, 60 जगहों पर एक हजार टन गोल्ड की हुई खोज

खनन के लिए फर्म ने जमा कराए 100 करोड़

कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और झारखंड के बाद अब राजस्थान सोने का खनन करने वाला चौथा राज्य

रिपोर्ट के अनुसार हर साल बांसवाड़ा से लेकर उदयपुर के सलूम्बर तक फैले इलाके से 25 टन का सोना निकलने की संभावना

1990 में पहली बार मिले थे संकेत, सर्वे के बाद खुल गई किस्मत

जगपुरा- भूतिया का इलाका सबसे बड़ा है। इसके अलावा सलूंबर के डूगोचा से लेकर घाटोल तक 1270 किलोमीटर के एरिया में प्लानिंग तेज़ी से की जा रही है। साल 1990 में पहली बार सोना खोजने के लिए हुए सर्वे में सोना होने के संकेत मिले थे जिसके 33 साल बाद सोना खनन का काम शुरू होना जा रहा है। मगर सोने के उत्पादन में अभी भी तीन से चार साल का समय लग सकता है।

दरअसल, जनजाति बहुल क्षेत्र बांसवाड़ा में 114.76 मिलियन टन स्वर्ण खनन का रास्ता साफ हो गया है। खनन का ठेका लेने वाली फर्म ने सरकार को 100 करोड़ रुपए जमा करा दिए हैं। साथ ही एलओआइ (मंशा पत्र) के लिए आवेदन कर दिया है। कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और झारखंड के बाद राजस्थान चौथा प्रदेश होगा जो स्वर्ण खनन करने जा रहा है। रतलाम की एक फर्म ने 65.30 प्रतिशत बोली लगाकर यह कार्य लिया है।

सोना निकलने में लगेंगे 4-5 साल

6 महीने के अंदर शुरू होगा काम

घाटोल क्षेत्र के भूकिया व काकरिया में 943 हेक्टेयर में खनन होगा। स्वर्ण भंडार की जानकारी सामने आने के बाद खनन कंपनी तय करने में करीब 33 साल का समय लग गया, वहीं सोना निकलने में करीब 4 से 5 साल और लगेंगे। साथ ही बांसवाड़ा स्वर्ण खनन करने वाले देश के 4 चुनिंदा राज्यों में शामिल हो जाएगा। बांसवाड़ा में सोना रेत के छोटे-छोटे कण रूप में मिला है। वर्ष 1990-91 में यहां का सर्वे किया था। इसमें स्वर्ण के संकेत मिले थे। इस पर 69.658 वर्ग किमी के तीन ब्लॉक एक्सप्लोरेशन के लिए आरक्षित कर भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण किया गया। एक्सप्लोरेशन के दौरान 15 ब्लॉकों में 171 बोर होल्स में 46037.17 मीटर ड्रिलिंग की गई थी। विश्लेषण से पता चला कि 14 ब्लॉकों में 1.945 ग्राम प्रति टन के लगभग 114.76 मिलियन टन सोने के भंडार मौजूद है।

14 वर्ग किमी में सोने का भंडार, अन्य कई धातुएं भी निकलेंगी; बरसेगा राजस्व

भुकिया-जगपुरा के 14 वर्ग किमी में स्वर्ण भंडार है। यहां अन्वेषण में 114.76 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क में स्वर्ण धातु की मात्रा 222.39 टन आंकी गई है। 1 लाख 74 हजार टन से अधिक तांबा और 9700 टन से अधिक निकल और 13500 टन से अधिक कोबाल्ट भी निकलेगा। ,निज अभियंता गौरव मीणा के अनुसार बांसवाड़ा में स्वर्ण खनन को लेकर सभी प्रकार की कार्यवाही मुख्यालय से ही की जाएगी। फर्म ने 100 करोड़ रुपए जमा कर दिया है। अब फर्म को एलओआइ जारी होनी है। इसके बाद ही फर्म आगे का कार्य शुरू कर पाएगी।

ताम्बे की मौजूदगी से फायदे का सौदा

अभी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में सोने की प्रति टन कीमत करीब चार अरब उन्नीस करोड़ ग्यारह लाख अस्सी हजार रूपए है। इस लिहाज से यहां से निकलने वाले सोने की कीमत लगभग बीस अरब रूपए से ज्यादा होने का अनुमान है। हालांकि विशेषज्ञों के मुताबिक यहां सोना कम होने से मैटलर्जी लागत ज्यादा होने की आशंका रहेगी किन्तु ताम्बा भी साथ मिलने से यह निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

113 मिलियन टन सोने का आकलन

इस एरिया में 113.52 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क का आकलन किया गया है। जिसमें सोने के धातु की मात्रा 222.39 टन आंकी गई है। यहां स्वर्ण अयस्क खनन के दौरान एक लाख 74 हजार टन से अधिक कॉपर, 9700 टन से अधिक निकल और 13 हजार 500 टन से अधिक कोबाल्ट खनिज प्राप्त होगा।

कुसुम यादव का बढ़ा कार्यकाल, निगम हैरिटेज में बनी रहेंगी मेयर

जयपुर।

जयपुर नगर निगम हैरिटेज की कार्यवाहक मेयर कुसुम यादव का कार्यकाल सरकार ने 60 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यानि की 24 जनवरी तक राज्य सरकार ने कुसुम यादव का कार्यवाहर मेयर बतौर कार्यकाल बढाया हैं। तत्कालीन मेयर मुनेश गुर्जर को पद से हटाने के बाद 23 सितंबर को सरकार ने आदेश जारी करते हुए कुसुम यादव को कार्यवाहक मेयर नियुक्त किया था।

उस समय इनका कार्यकाल 60 दिन का था, जो 24 नवंबर को पूरा हो गया था। कयास लगाए जा रहे थे कि कल ही सरकार आदेश जारी करके इनके कार्यकाल का एक्सटेंशन करेगी। आपको बता दें कि भ्रष्टाचार के मामले में एसीबी द्वारा चालान पेश करने के बाद मुनेश गुर्जर को सरकार ने पार्षद और मेयर के पद से निलंबित कर दिया था।

मुनेश के पति सुशील गुर्जर के साथ दो अन्य व्यक्तियों को पट्टा जारी करने की एवज में रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण में एसीबी ने मुनेश गुर्जर को भी आरोपित बनाया था। कुसुम यादव ने साल 2020 में हुए नगर निगम चुनावों में बीजेपी से टिकट न मिलने के बाद बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ा था। उस समय उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी को हराकर वार्ड 74 से चुनाव जीतकर पार्षद बनी।

राजस्थान फोन टैपिंग केस

पूर्व सीएम गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा दिल्ली में गिरफ्तार, तुरंत मिली जमानत

जयपुर।

राजस्थान के बहुचर्चित फोन टैपिंग मामले से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा को दिल्ली पुलिस की ₹ इम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। लोकेश शर्मा को दिल्ली के प्रशांत विहार थाने गिरफ्तार किया गया था। बताया जा रहा है कि लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी के तुरंत बाद उनको अग्रिम जमानत भी मिल गई है।

बताते चलें कि लोकेश शर्मा को तुरंत जमानत मिलने के बाद उनके इस मामले में सरकारी गवाह बनने के आसार बढ़ गए हैं। अगर ऐसा होता है तो पूर्व सीएम अशोक गहलोत, तत्कालीन गृह सचिव सहित कई अधिकारियों से दिल्ली पुलिस की ₹ इम ब्रांच पूछताछ कर सकती है।

दरअसल, इससे पहले उन्होंने अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका वापस ली थी। हाईकोर्ट ने भी याचिका वापस लेने की इजाजत दी थी। इस घटना₹ म के बाद लोकेश शर्मा की गिरफ्तारी पर लगी रोक हट गई थी। बता दें, याचिका वापस लेने के फैसले पर लोकेश शर्मा ने कह था कि वह पहले से ही जांच में ₹ इम ब्रांच का सहयोग कर रहे हैं। इस मामले में जो भी जांच होगी, उसमें भी वह सहयोग करेंगे।

दरअसल, 2020 में कांग्रेस में 'मानेसर बगावत' के समय फोन टैपिंग मामला सामने आने के बाद दिल्ली ₹ इम ब्रांच में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसमें जिसमें लोकेश शर्मा का नाम था।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द संविधान से नहीं हटेगा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (25 नवंबर 2024) को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने संविधान की प्रस्तावना में 1976 में पारित 42वें संशोधन के अनुसार, "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को शामिल करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि संसद की संशोधन शक्ति प्रस्तावना तक भी फैली हुई है। प्रस्तावना को अपनाने की तारीख संसद की प्रस्तावना में संशोधन करने की शक्ति को सीमित नहीं करती है। इस आधार पर, याचिकाकर्ता के तर्क को खारिज कर दिया गया। सीजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा, "लगभग इतने साल हो गए हैं, अब इस मुद्दे

सीजेआई संजीव खन्ना ने याचिका को खारिज किया

कहा- इतने साल हो गए हैं, अब इस मुद्दे को क्यों उठाया जा रहा है

22 नवंबर को आदेश रखा था सुरक्षित

बता दें कि इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ताओं की इस मामले को एक बड़ी पीठ को भेजने की याचिका को खारिज कर दिया था। हालांकि, सीजेआई खन्ना कुछ वकीलों की रुकावटों से नाराज होकर आदेश सुनाने वाले थे, लेकिन उन्होंने कहा कि वह सोमवार को आदेश सुनाएंगे। सीजेआई खन्ना ने 22 नवंबर को सुनवाई के दौरान कहा, "भारतीय अर्थ में समाजवादी होना केवल कल्याणकारी राज्य के रूप में समझा जाता है।

वकील जैन ने जताई थी ये आपत्ति

सीजेआई खन्ना ने आगे कहा कि एसआर बोम्मई मामले में "धर्मनिरपेक्षता" को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा माना गया है। इस पर वकील जैन ने कहा कि संशोधन लोगों की बात सुने बिना पारित किया गया था, क्योंकि यह आपातकाल के दौरान किया गया था और इन शब्दों को शामिल करना लोगों को कुछ विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करने के समान होगा। जब प्रस्तावना में कट-ऑफ डेट होती है तो बाद में शब्दों को कैसे जोड़ा जा सकता है। जैन ने आगे कहा कि इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। उन्होंने तर्क दिया कि मामले पर एक बड़ी पीठ की ओर से विचार किया जाना चाहिए। इसके बाद सीजेआई ने दलील को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया था।

वर्ष 2018 में जीका वायरस ने मचाया था हाहाकार

प्रदेश में जीका वायरस से मौत की आशंका, अलर्ट जारी, जांच सैंपल पुणे भेजा

जयपुर।

राजधानी जयपुर में वर्ष 2018 में जीका वायरस ने हाहाकार मचाया था। उस समय राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर स्थित भट्टा बस्ती में बड़ी संख्या में इस वायरस से पीड़ित मरीज सामने आए थे। हालांकि, उस समय किसी भी व्यक्ति की मौत जीका वायरस के चलते नहीं हुई थी, लेकिन एक बार फिर इस वायरस ने चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। दरअसल, बीते दिन एक निजी अस्पताल में जयपुर के रहने वाले एक वृद्ध की मौत जीका वायरस से होने की आशंका जताई जा रही है। जयपुर के रहने वाले 66 वर्षीय राजेंद्र को करीब 5 दिन पहले जयपुर के इस अस्पताल में भर्ती किया गया था। प्राइवेट अस्पताल ने अपने स्तर पर जांच करवाई तो मरीज में जीका वायरस रिपोर्ट हुई और उसके बाद मरीज की मौत हो गई। मामले को लेकर चिकित्सा विभाग जयपुर जोन के जॉइंट डायरेक्टर डॉक्टर नरोत्तम शर्मा का कहना है कि करीब 6 साल पहले जीका वायरस आउटब्रेक एक क्षेत्र में हुआ था। हालांकि, उस वायरस से किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई थी, लेकिन जयपुर के एक व्यक्ति को कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती किया गया था और उसकी मौत हो गई है। आशंका है कि राजस्थान में जीका वायरस से मौत का यह पहला मामला है।

पुणे भेजा सैंपल

डॉक्टर नरोत्तम शर्मा का कहना है कि जिस मरीज की मौत हुई है उसे हाइपरटेंशन और अन्य बीमारियां भी थीं और फिलहाल निजी अस्पताल की रिपोर्ट के अनुसार जीका वायरस की पुष्टि हुई है। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से भी सैंपल नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट के बाद ही जीका वायरस की पुष्टि हो सकेगी।

इस्तीफा प्रकरण में शांति धारीवाल और महेश जोशी सहित तत्कालीन 6 विधायकों को नोटिस

जयपुर।

राजस्थान हाइकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों के इस्तीफे देने से जुड़े मामले में तत्कालीन मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी सहित रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने इन तत्कालीन विधायकों से 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने गत सुनवाई को इन तत्कालीन 6 विधायकों को पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। इन 6 तत्कालीन विधायकों ने अपने व 75 अन्य विधायकों के इस्तीफे 25 सितंबर, 2022 को स्पीकर को सौंपे थे। अधिवक्ता हेमंत नाहटा ने बताया कि याचिकाकर्ता राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने शांति धारीवाल सहित अन्य को इस मामले में पक्षकार बनाने के लिए यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि कांग्रेस के 81 एमएलए ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे। दरअसल, इस मामले में पिछली सुनवाई पर मौजूदा स्पीकर का जवाब आया था।

बीजेपी मुख्यालय पहुंचीं वसुंधरा, विजयी विधायकों को बधाई देकर 10 मिनट में ही चली गईं

जयपुर।

वसुंधरा राजे रविवार (24 नवंबर) को बीजेपी मुख्यालय जयपुर पहुंचीं। करीब 10 मिनट तक रुकीं। उपचुनाव में विजयी 5 विधायकों को बधाई दी। इसके बाद अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हो गईं। उनके आने की पहले से कोई सूचना नहीं थीं। इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ बीजेपी मुख्यायल में मौजूद नहीं थे।

वसुंधरा ने बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को बधाई दी

बीजेपी मुख्यालय से निकलते समय मीडिया से बातचीत की। वसुंधरा राजे ने उप-चुनाव में पार्टी के शानदार जीत पर प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व को बधाई दी। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूरे शीर्ष नेतृत्व, सीएम भजनलाल शर्मा और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई, जिन्होंने उप-चुनाव में इतनी शानदार जीत हासिल की है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इसे आगे बढ़ाते हुए पार्टी को नए तरीके के आगे बढ़ाने का काम करेंगे।"

राजस्थान विधानसभा की 7 सीटों पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट शनिवार (23 नवंबर) को जारी हो गया है। 7 में से 5 सीटों पर भाजपा को जीत मिली।

नवलगढ़ पुलिया बनाने मकान और दुकान तोड़ने का विरोध:

बार संघ के अध्यक्ष बोले- बिना लीगल प्रोसेस के मकान तोड़े,मुआवजा दे सरकार

नमस्ते राजस्थान

सीकर सीकर में नवलगढ़ पुलिया पर हटाए गए अवैध अतिक्रमण के विरोध में कलेक्ट्रेट के बाहर प्रभावितों का धरना 6वें दिन भी जारी रहा। प्रभावित हुए लोगों ने आज धरना स्थल से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश रैली निकाली और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सीकर बार संघ के जिलाध्यक्ष जगदीश गठाला ने कहा- नवलगढ़ पुलिया के पास जिला प्रशासन ने बिना लीगल प्रोसेस के मकान तोड़ दिए हैं। सैंकड़ों परिवार बेघर हो गए। वहां लोग 100 साल से बस रहे हैं और 80 साल पुराने पट्टे-रजिस्ट्री हैं। पिछले 80 साल में आज तक लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिए सिंगल नोटिस नहीं दिया। लोग पुलिया बनाने के विरोध में नहीं है लेकिन प्रशासन ने जरूरत से ज्यादा मकान तोड़ दिए इसका विरोध कर रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा- किसी भी कार्रवाई को करने का एक लीगल प्रोसेस होता है और उस जगह को भी एक्वायर करना होता है। जिसके लिए सरकार मुआवजा देती है। लेकिन सरकार ने

प्रभावितों को कोई मुआवजा नहीं दिया। जिला प्रशासन अब पुलिया के पास रहने वाले वाशिंदों को अतिकर्मी कह रहा है। सभी के पास रजिस्ट्री व पट्टे हैं। बिजली-पानी का कनेक्शन है, इन्हें बिना कोई मौका दिए तीन-तीन मंजिला मकान तोड़ दिए गए। हमारी मांग है कि जो अधिकारी दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए और प्रभावितों को सहायता दी जाए अन्यथा आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। आपको बता दें कि नवलगढ़ पुलिया फोरलेन और प्रोजेक्ट के लिए जिला प्रशासन द्वारा 27 दुकानों और 6 मकान को अतिक्रमण मानते हुए उन्हें नोटिस जारी करके 19 नवंबर की सुबह अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवा दिया। प्रशासन ने अतिक्रमित जगह से अपना सामान हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया था। नवलगढ़ पुलिया फोरलेन प्रोजेक्ट के राज्य सरकार के द्वारा 83.01 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की गई थी। इस प्रोजेक्ट का काम हरियाणा की धारीवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी करेगी। करीब 2 साल में पुलिया फोरलेन का काम पूरा हो जाएगा। पुलिया फोरलेन होने के साथ ही दोनों तरफ फुटपाथ भी होगा। दोनों साइड से सीढ़ियां नीचे की तरफ जाएगी। जिससे कि लोगों को पैदल चलने के दौरान पुलिया पार करने के लिए पूरा रास्ता न तय करना पड़े। आपको बता दें कि नवलगढ़ पुलिया से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। सीकर शहर को यह रास्ता झुंझुनूं और दिल्ली से जोड़ता है। इसके साथ ही शहर में सबसे ज्यादा कोचिंग और स्कूल भी नवलगढ़ और पिपराली रोड पर संचालित होती है। इसलिए हजारों लोगों का आवागमन पुलिया से होता है। पुलिया के फोरलेन होने के दौरान पुरानी पुलिया पर ट्रैफिक जारी रहेगा।

मर्सिडीज पर बजरी से भरा ट्रेलर पलटा:

पति की मौत,पत्नी घायल; शादी अटेंड कर गुरुग्राम लौट रहे थे; हरियाणा में लड़ा था विधानसभा चुनाव

देवली टोंक में गाय को बचाने के प्रयास में बजरी से भरा ट्रेलर मर्सिडीज कार पर पलट गया। हादसे में कार सवार राजपूत महासभा गुरुग्राम (हरियाणा) के अध्यक्ष की मौत हो गई। उनकी पत्नी और ट्रेलर ड्राइवर घायल हो गए। पति-पत्नी झालावाड़ में एक शादी अटेंड करने के बाद गुरुग्राम लौट रहे थे। हादसा देवली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर सिरोही गांव के पास रविवार शाम 5 बजे हुआ। देवली थाना प्रभारी राजकुमार नायक ने बताया- वजीरपुर (गुरुग्राम) निवासी तिलकराज चौहान (62) पुत्र रियासल सिंह चौहान पत्नी यशोदा चौहान के साथ झालावाड़ में अपने परिचित राजेंद्र सिंह झाला के यहां शादी में शामिल होने के लिए आए थे। वे रविवार को अपने गांव वजीरपुर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार के आगे बजरी से भरा ट्रेलर चल रहा था। देवली के पास कार ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इस बीच सामने गाय आने से ड्राइवर ने ट्रेलर को दायीं ओर दबाया। ट्रेलर का संतुलन बिगड़ गया और साइड में आई मर्सिडीज पर पलट गया। तिलकराज की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर में भरी बजरी कार के ऊपर बिखर गई, जिससे कार दब गई।

पत्नी पूछती रही- इन्हें कहां ले जा रहे हो

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने दंपती को कार से बाहर निकाला और एंबुलेंस से देवली अस्पताल पहुंचाया। तिलकराज के शव को मॉच्युर्री में रखवा दिया। पुलिस ने बताया- घटना के बाद पत्नी से जब परिजनों के बारे में पूछा तो सदमे के कारण वह कुछ बता नहीं पाईं। दोनों के बैग और मोबाइल फोन कार में ही रह गए। अस्पताल लाते समय पत्नी को लगा कि तिलकराज बेहोश हैं। अस्पताल में भी जब स्ट्रैचर पर शव को ले जाया जा रहा था। तब पत्नी पूछ रही थी कि 'इन्हें कहां लेकर जा रहे हो'। पत्नी के थोड़ा शांत होने पर उससे जानकारी लेकर परिजनों को सूचना दी। हादसे में ट्रेलर का ड्राइवर हरिराम निवासी बरौनी भी घायल हो गया। जिसका इलाज किया जा रहा है।

विधानसभा का निर्दलीय चुनाव लड़ा था

पुलिस के अनुसार- तिलकराज सिंह राजपूत महासभा गुरुग्राम के अध्यक्ष हैं। साल 2014 में उन्होंने हरियाणा की सोहना विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। सोमवार को राजपूत महासभा के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने हैं। इसीलिए झालावाड़ में शादी अटेंड करने के बाद वे गुरुग्राम जा रहे थे।

जिला स्तरीय अमृता हाट मेला 2024:

महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों का उत्सव 28 नवम्बर से 02 दिसम्बर तक

हाट में मिलेंगे विभिन्न जिलों के 80 से अधिक स्वयं सहायता समूहों के श्रेष्ठ उत्पाद

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग भीलवाड़ा द्वारा जिला स्तरीय अमृता हाट मेला 2024 का आयोजन ग्रामीण हाट (परिसर), प्राईवेट बस स्टेण्ड के पास, नेहरू उद्यान रोड, में 28 नवम्बर से 02 दिसम्बर तक किया जा रहा है। इस मेले में राजस्थान के समस्त जिले व संभाग के लगभग 80 स्वयं सहायता समूह द्वारा अपने उत्पादो का विपणन किया जायेगा। जिसमें महिला अधिकारिता विभाग, स्वयं सहायता समूह भाग लेंगे।

मेले की विशेषताएं:

- जयपुरी सांगानेरी चद्दरे, कुर्तियां, लाख की चुडियां, कोटाडोरिया साडियां, सूट, चुन्नी, सिक्के की ज्वैलरी, प्रतापगढ़ की प्रसिद्ध हिंग, पापड़, मसाले, अजमेरी

जूतियां, पर्स, टेराकोटा आईटम, जूट के बैग आदि खरीददारी के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

- फास्ट फूड जोन, व बच्चों के लिए फन जोन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।
- प्रतिदिन दोपहर में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। जिसमे मेंहन्दी प्रतियोगिता, रंगोली, फेन्सीड्रेस, बणीठणी, चैयर रेस आदि का आयोजन किया जायेगा।
- दो हजार रुपए से अधिक की खरीद करने वाले उपभोक्ताओं को लॉटरी द्वारा चयन कर प्रतिदिन आकर्षक पुरस्कार दिये जायेगें।

सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग भीलवाड़ा नगेन्द्र कुमार तोलम्बिया के अनुसार इस मेले का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है। हमें उम्मीद है कि यह मेला महिलाओं और स्थानीय उत्पादकों के लिए एक अच्छा अवसर प्रदान करेगा। इस मेले के लिए सभी को आमंत्रित किया जाता है। यह मेला महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा अवसर प्रदान करेगा।

उदयपुर में धूणी दर्शन को लेकर विवाद की स्थिति:

सिटी पैलेस के दोनों गेट बंद किए,बाहर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया

नमस्ते राजस्थान

उदयपुर उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन के बाद सोमवार को चित्तौड़गढ़ में उनके बड़े बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ गद्दी पर बैठने के दस्तूर के बाद वे उदयपुर आएंगे। इससे पहले यहां सिटी पैलेस के दोनों गेट बंद कर दिए गए हैं और बाहर पुलिस लगा दी गई है। उदयपुर के जिला कलेक्टर (उट) अरविंद कुमार पोसवाल, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल (रढ), एएसपी उमेश ओझा आदि पैलेस के बाहर पहुंच गए हैं। इन अधिकारियों ने पहले जगदीश चौक वाले गेट के वहां की स्थिति देखी। वहां पर पुलिस ने पहले ही बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। उदयपुर एसपी योगेश गोयल ने बताया कि हमारी तरफ से दोनों पक्षों में सहमति बन जाए इसके लिए अब भी प्रयास जारी है। साथ ही सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। पुलिस ने कानून

व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाब्ता लगाया है। बाद में इन अधिकारियों ने समोर बाग वाले गेट पर जाकर स्थिति देखी। वैसे प्रशासन और पुलिस इस मामले में सहमति के लिए प्रयास कर रहा है। बता दें कि एक दिन पहले दूसरे पक्ष ने दो विधिक नोटिस जारी कर बिना अनुमति पैलेस में और एकलिंगजी मंदिर में प्रवेश पर चेताया है तो दूसरी तरफ विश्वराजसिंह मेवाड़ का पक्ष सिटी पैलेस में जाने के लिए अड़ा है। विश्वराज सिंह मेवाड़ दस्तूर के बाद चित्तौड़गढ़ से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। उदयपुर आने पर सबसे पहले महल में प्रयागगिरी महाराज की धूणी पर जाकर दर्शन करेंगे। उसके बाद कुल देवता के दर्शन करेंगे। बाद में एकलिंगजी दर्शन करने जाएंगे।

रोहट ग्राम पंचायत राणा पटवार भवन खंडहर में तब्दील,जीर्णोद्धार कराने की मांग

नमस्ते राजस्थान

पाली। ग्राम पंचायत राणा पटवार भवन की जर्जर स्थित है सामाजिक कार्यकर्ता जोताराम देवासी राणा बताया कि ग्राम पंचायत राणा पटवार भवन की स्थिति बहुत खराब हालात हैं, नहीं पंचायत भवन पर नाम, नहीं लाईट कि सुविधा, नहीं सही ढंग से मुख्य दरवाजे की स्थिति ठीक,राणा ग्राम पंचायत पटवार भवन भवन अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। अधिकारियों व कर्मचारियों की अनदेखी से इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। पटवार भवन पूरी तरह से जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। यही नहीं भवन की छतों व दीवारों से प्लास्टर टूटकर गिर रहे हैं। भवन की रंगाई-पोताई भी विभाग द्वारा नहीं कराई गई है। जिससे पंचायत भवन की दशा बेहद खराब हो चुकी है। जबकि शासन का स्पष्ट आदेश है कि ग्राम पंचायत के संपत्तियों की उचित देखभाल की जाए लेकिन शासन का यह आदेश मात्र

दिखावा सिद्ध हो रहा है। गांव वासियों ने बताया कि पंचायत भवन की मरम्मत कराने के लिए जिला पदाधिकारी से मांग की गई है। इसके बावजूद भवन की स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया जब भी कोई पंचायत स्तर पर आम सभा का आयोजन किया जाता है तो आम सभा का बैठक करने में परेशानियां झेलनी पड़ती है।

जोताराम देवासी ने पटवार भवन का निर्माण करन की मांग किया है। जोताराम देवासी ने बताया कि लाईट सुविधा नहीं होने से भी लोगों ओर किसानों को काभी

परेशान का रास्ता झेलना पड़ रहा है, पटवार भवन की पिछे की सेंटर दोनों जाली दरवाजे भी अतिग्रहत पड़े हैं, बारिश के समय छत्ते से पानी भी टपकता है।

पत्रकारों ने राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन,अस्पताल के पीएमओ को हटाने की रखी मांग

जिला अस्पताल बनने के बाद हॉस्पिटल विकास को लेकर हुआ करोड़ो रूपए का भष्ट्राचार उजागर हो

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज। राजकीय जिला चिकित्सालय के पीएमओ डॉ गोपालसिंह की ओर से अस्पताल की समस्याओं का प्रकाशन कर रहे पत्रकारों को अस्पताल में प्रवेश से रोकने और खबरों का प्रकाशन नहीं करें इसके लिए दबाव बनाने के लिए द्वेषभावना पूर्वक उन्हें झुठे मुकदमों में फंसाने की कार्रवाई करने से स्थानीय पत्रकारों में जबरदस्त रोष है। मामले को लेकर शनिवार को शिवगंज पहुंचे राज्यमंत्री ओटाराम देवासी से पत्रकारों ने मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए पीएमओ को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है गौरतलब है कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को हो रही दुविधाओं,सफाई व्यवस्था की बदहाली सहित मौसमी बीमारियों के चलते मरीजों की संख्या में बढोतरी होने के से चिकित्सकों के चेम्बर के आगे मरीजों की लंबी कतारें होने के बावजूद चिकित्सकों के अपने कक्ष में नहीं

मिलने, राज्य सरकार की ओर से चिकित्सकों को नोन प्रेक्टिस अलाउंस दिए जाने के बावजूद चिकित्सकों की ओर से अपने क्लिनिक व नर्सिंग होम खोल मरीजों से उपचार के नाम पर मनमानी फीस वसूलने को लेकर शहर के पत्रकार पिछले दिनों से खबरों का प्रकाशन कर रहे है। जिससे अस्पताल के पीएमओ डॉ गोपालसिंह काफी खफा है हाल ही में उन्होंने अस्पताल की समस्या से संबंधित जानकारी लेने गए दो पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई करने की नियम से पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर पत्रकारों को अस्पताल में प्रवेश करने से रोकने और उनपर दबाव बनाने का कुत्सित प्रयास किया। जिससे पत्रकारों में रोष है। पत्रकारों ने राज्यमंत्री को दिए ज्ञापन में घटना की पूरी जानकारी देते हुए पूरे प्रकरण की जांच करवाने और पीएमओ को तत्काल हटाने की मांग की है। राज्यमंत्री ने पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिला अस्पताल मे हुआ भष्ट्राचार की जाँच की माँग की

शिवगंज की जिला अस्पताल बन्ने से लेकर आज तक विकास व स्टोर शाखा मे हुआ भष्ट्राचार जो करोड़ो रूपए मे हुआ है सफाई ठेकेदार व स्टाफ लगाने वाले ठेकेदार ने मिलकर करोड़ो रूपए का भष्ट्राचार किया है उसकी जांच करवाकर दोषीओ को जेल भेजने की कार्रवाई करे तब शहर की जिला अस्पताल मे भष्ट्राचार खत्म होगा इन सभी की जांच उच्च स्तरीय अधिकारीओ या कोलेटी कंट्रोल बोर्ड से कराकर भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज करावे तब जाकर शहर की जनता-जनार्दन को न्याय मिलेगा

वैरा जैतपुरा सडक पर बने मुखयमंञी जन आवास योजना के अन्तर्गत बने फ्लैटो के पास बनी बडी फैक्ट्रीया से फैल रहा प्रदूषण से लोगों के जीवन में खतरा बना हुआ है

सुमेरपुर पेरा फैरी क्षेत्र मे जितनी भी फैक्ट्रीया बनी है या बन रही है सभी की जाँच उच्च अधिकारियों से होनी चाहिए बडी बडी होटलों व रिसोर्ट कोलोनीओ की भी जाँच होनी चाहिए

सुमेरपुर पालिका पैराफैरी में फैक्ट्रीयो के निमार्ण मे घोटाला फैक्ट्री के धुएँ व केमिकल्स युक्त गंदा पानी से सैकड़ों लोगों की जान जाएँगी तब जिम्मेदार कोन होंगा

सुमेरपुर पालिका व पैराफैरी क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों के नाम फजीर्वाडा कर उधोग विभाग से सब्सीडी लुटकर जनता के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं भष्ट्राचारी आचार्य के विरुद्ध कार्यवाही कब होंगी देखते है

नमस्ते राजस्थान

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र व पैराफैरी क्षेत्र में जितनी भी फैक्ट्रीया व आवासीय योजनाओं होटलों व रिसोर्ट बडी बडी कोलोनीओ सहित जितने भी फार्म पट्टे जारी किए गए आवासीय योजनाओं व वाणिज्यिक काम्पलैक्स नियमो के विपरीत निर्माण स्वीकृति सहित सभी प्रकार के पट्टो की जाँच कर भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज कराना चाहिए व तुरंत कारवाई करनी चाहिए जिससे लोगो को न्याय मिलेगा अन्यथा यहाँ की जनतांत्रिक का कहना है कि जो भी आचार्य ने भष्ट्राचार किया है सुमेरपुर नगर पालिका पेरा फैरी क्षेत्र में सैकड़ों अवैध निर्माण व अवैध फैक्ट्री बनी है सबकी जाँच होनी चाहिए मुखयमंञी जन आवास योजना के पास बनी फैक्ट्रीयो को तुरंत बंद करवानी चाहिए वह की मुख्यमंत्री जन आवास योजना आकाशगंगा योजना के पास में प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्री का निर्माण कैसे हो गया कैसे बन गई प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्री इस फैक्ट्री से निकलने वाले धुएँ व केमिकल्स युक्त गंदा पानी से कौन बचाएगा इनका जीवन एक तरफ तो प्रदूषण विभाग वाले कहते हैं की प्रदूषण नहीं फैलना चाहिए लोगों का जीवन खतरे में नहीं पडना चाहिए फैक्ट्री शहर से बाहर निर्माण होनी चाहिए पर मुख्यमंत्री जन आवास योजना जिसमें हजारों फ्लैट बन गए वह बन रहे हैं इसके पास में दो बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां बन गई केमिकल युक्त गंदा पानी वह प्रदूषण धुआँ खुलेआम फैल रहा है और प्रशासन आंख बंद करके क्यों बैठा है प्रदूषण विभाग वाले धन लेकर चुप क्यों है पाली जिला में सुमेरपुर नगर पालिका सबसे भरष्ट नगरपालिका कहलाने वाली है क्योंकि यहां पर योगेश आचार्य जैसे अधिशाषी अधिकारी ने 3 साल नौकरी की है जो काम नहीं होता फजीर्वाड़ा कर वह काम भी इन्होंने कर दिया जिले में बैठे प्रशासनिक अधिकारी सुमेरपुर सड़क तक आकर चले जाते हैं उनको पता नहीं है कि शिवगंज शहर के बहार भी सिरोही रोड पर सुमेरपुर का क्षेत्र आता है इसीलिए यहाँ पर बड़ी-बड़ी फैक्ट्री है चुपके से बन रही है और प्रशासनिक अधिकारियों की नजर क्यों नहीं जा रही है जब आप इसकी स्वीकृति देते हो तब क्या देखकर देते हो या तो धन लेकर जाते होंगे इसीलिए ध्यान नहीं रखा जा रहा है इन फैक्ट्री से निकलने वाला धुआँ लोगों को जीवन पर कितना प्रभाव डाल रहा है कैंसर फैलने की बीमारी सबसे ज्यादा यहां से ही हो रही है शिवगंज क्षेत्र में सबसे ज्यादा कैंसर की बीमारी फैल रही है इन फैक्ट्री के धुएं से वह केमिकल युक्त गंदा पानी नदी नालों के अंदर छोड़कर वह पानी लोगों के पीने के लिए जा रहा है उससे उनका जीवन खतरा बना हुआ है प्रशासनिक अधिकारी पटवारी राजस्व अधिकारी तहसीलदार प्रदूषण विभाग वाले उपखंड अधिकारी नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका सी सहित कनिष्ठ अभियंता क्या ध्यान दे रहे हैं क्यों नहीं इन सब के विरुद्ध भ्रष्टाचार ब्यूरो में मुकदमा दर्ज करवाया जाए वह प्रदूषण विभाग में इनके मुकदमा दर्ज करवाया जाए जिससे उनकी आंख खुल जाए कि आज के बाद कभी फजीर्वाड़ा नहीं कर सके जो मुख्यमंत्री जन आवास योजना की स्वीकृति हुई थी तब से लेकर आज तक हजारों फ्लैट बने पर पालिका प्रशासन अधिकारियों ने इन फ्लैटों की जांच किए बिना फैक्ट्री की स्वीकृति कैसे दे दी इन फैक्ट्री में क्या धुआँ वह गंदा पानी नहीं निकलेगा इनको पता होने के बाद भी उन्होंने फैक्ट्री वालों से बड़ी रकम लेकर स्वीकृति दे दी और इन्होंने सब्सिडी लेने के लिए प्रदूषण विभाग वालों को धन खिलाकर उसका सर्टिफिकेट ले लिया पर इससे फैला प्रदूषण लोगों के जीवन में कितना खतरे में डाल रहा है बच्चों को बुजुर्गों को कैंसर की बीमारियां हो रही है पर प्रशासनिक अधिकारी धन के आगे सब नतमस्तक है बिके हुए हैं प्रशासन अधिकारी अगर अधिकारी ईमानदार होते तो इन प्लेटों के पास कभी यह फैक्ट्रियां नहीं बनती वह ग्राम वैरा जेतपुरा बापू नगर व मुख्य हाइवे पर बड़ी होटल के पास भी यह फैक्टरी नहीं बनती क्या अब प्रशासनिक अधिकारी कार्यवाही कर इन फैक्ट्री को बंद करवाने की कार्रवाई करेंगे या भ्रष्टाचार करने वाले पर सब ऐसे ही चलते रहेंगे

इनका क्या कहना है

पुराने नेशनल हाईवे नंबर 14 से खेजडिया जाने वाले सड़क पर बन रहे हजारों फ्लैट आकाश गंगा दीप योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री जन आवास योजना में कई लोगों ने निवास करना चालू कर दिया पर भष्ट्राचार प्रशासनिक अधिकारियों की वजह से इनके पास में बड़ी फैक्ट्री हो गई उसमें धुआँ वह केमिकल युक्त गंदा पानी से बीमारी फैलनी चालू हो गई है प्लाटों की दोनों तरफ यह फैक्ट्री कैसे चालू कर दी गई क्या प्रशासनिक अधिकारियों ने धन लेकर यह काम करवाया प्रदूषण विभाग वालों ने कैसे स्वीकृति जारी कर दी अब उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी मेरी पंचायत से स्वीकृति नहीं लेकर इन्होंने धन के लिए फैक्ट्री का धुआँ खुलने में छोड़ना चालू किया जिससे लोगों का जीवन खतरे में बना हुआ है अब कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे अगर रह फैक्ट्री लग गई तो बडा आदोलन खडा होगा देखते है क्या प्रशासन अब कारवाई करेगे या अंधा बनकर बैठा रहेंगा

करणसिंह देवड़ा सरपंच ग्राम पंचायत वेरा जेतपुरा

ग्राम पंचायत वेरा जैतपुरा के पास बन रही फैक्ट्रियां वह बनी हुई फैक्ट्री के पास सैकड़ो फ्लैट में निवास करने वाले लोगों का जीवन खतरे में बना हुआ है पालड़ी जोड़ पंचायत के अधिन आने वाले शिवगंज के पास वाले क्षेत्र में कैसे स्वीकृत हुई यह कृषि आधारित उद्योग इन्होंने सरकार को चूना लगाने में पीछे नहीं रहे करोड़ों रुपए का चूना लगाकर अपनी दुकान चालू कर दी इन भ्रष्टाचार्यों ने वह कुछ धन्ना सैठो के कहने पर यह गोरख धंधा चालू किया पर प्रशासनिक अधिकारियों की नींद कैसे नहीं खुली और यह फैक्ट्री कैसे चालू हो गई है प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्री को बंद करवाने का

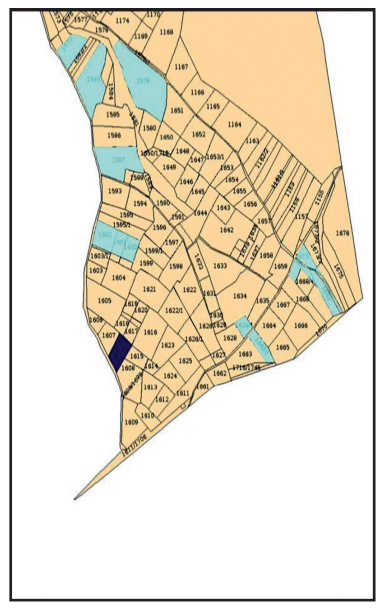

आदेश नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन होगा वह यहां से निकलने वाली बड़ी-बड़ी गाड़ियों से सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है इन फ्लैटों में निवास करने वाले बच्चे वह बुजुर्गों के लिए इन फैक्ट्री में आने वाली टर्बो की वजह से घर से बाहर निकलना दुर्लभ हो गया कभी भी डर बना रहता है की दुर्घटना न हो जाए इन फैक्ट्री में आने वाली ट्रकों के विरुद्ध कार्यवाही करवाकर सबको नेशनल हाईवे पर ही रोका जाए

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज

सुमेरपुर नगर पालिका क्षेत्र में पैरा फेरी क्षेत्र में जितने भी फैक्ट्रियां बन रही है वह बन गई है उनके प्रदूषण की जांच होनी चाहिए वह जवाई नदी के किनारे पर जितने भी स्कूल है हॉस्पिटल बिल्डिंग आवासीय फ्लैट वाणिज्य काम्प्लैक्स बने उन सभी की जांच उच्च अधिकारियों से करवानी चाहिए की सुमेरपुर में जब से अधिशाषी अधिकारी आचार्य कार्यकाल संभाला था तब से लेकर जब तक रहे तब तक की जांच होनी चाहिए करोड़ों रुपए टेंडर में भ्रष्टाचार किया गणेश टॉकीज रोड पर एक बड़ा फैक्ट्री में वाणिज्य पट्टा जारी करके पालिका को करोडों रुपए का चूना लगाया और आम जनता के साथ धोखा किया 30 लॉख रुपए लेकर यह पट्टा इन्होंने जारी किया अब उन सब की जांच करवा कर तुरंत ही दोषियों को जेल भेजना चाहिए वह उनके विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

सीमादेवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

महायुति की जीत पर खुशीयों से झूम उठे भाजपाई आतीशबाजी कर करवाया मुंह मिठा

नमस्ते राजस्थान

सिरोही, महाराष्ट्र में 130 सीटों पर भाजपा की प्रचंड जीत के साथ बहुत के आंकड़े से पार 230 सीटों पर महायुति की ऐतिहासिक जीत की खुशीयों में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता झूम उठे और सरजावाव दरवाजे के बार आतीशबाजी कर एक दूसरे को खुशियों की मिठाई खिलाकर बधाई शुभकामनाएं दी सरजावाव दरवाजे पर महायुति की ऐतिहासिक जीत पर भाजपाइयों के साथ खुशियों में आम लोगों ने भी भाजपा नेताओं को बधाई देकर ऐतिहासिक जीत की खुशी के गवाह बने मोलाना नोमानी के महाअघाडी को अल्पसंख्यकों को समर्थन देने के फरमान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटगे तो कटेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक है सेफ है के नारे महाअघाडी गठबंधन पर भारी पड़े उत्तर प्रदेश में भी 9 सीटों के उपचुनाव में भाजपा 7 सीटों जीतने में सफल रही तो राजस्थान में भाजपा पांच सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही

विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की निती और कांग्रेस नेताओं के असभ्य बयान उन्हें ले डुबे कांग्रेस के इन्हीं बयानों और तुष्टिकरण निती के चलते एक दिन ऐसा आएगा की किताबों में पढगे एक थी कांग्रेस!

निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय में सोमवार को महिला प्रकोष्ठ व लायंस क्लब, जायंट्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सावन कुमार जांगिड़ ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमएचओ डॉ. सी पी गोस्वामी, विशिष्ट अतिथि राकेश पगारिया, सुभाष दुधानी थे। डॉ लाल पैथ लैब के सहयोग द्वारा हेल्थ चेकअप शिविर लगाया गया, जिसमें मुख्यतः ब्लड ग्रुप, हीमोग्लोबिन व डेंटल चेकअप किया गया। इस शिविर का उद्घाटन सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी ने किया । उन्होंने छात्राओं को इस अवसर पर एनीमिया से बचाव के लिए सरकारी अस्पतालों में चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, साथी ही युवाओं में बढ़ते हुए डिप्रेशन से बचने के लिए मॉर्निंग वॉक, योग, व्यायाम आदि के लिए प्रेरित भी किया । विश्व एड्स सप्ताह के अंतर्गत एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एक नाटक की प्रस्तुति दी गई। शिविर में लगभग 150 छात्राए तथा समस्त संकाय सदस्य स्वास्थ्य जांच से लाभान्वित हुए।

करोडो रुपए की चम्बल परियोजना ने गुरलाँ मे राइजिंग लाइन डालनी भूलें ,पुरानी लाइन में स्थानीय जलस्त्रोत से कम दबाव से पानी मिल रहा ,फ्लोराईड पानी पीने को मजबूर

नमस्ते राजस्थान

गुरलाँ :- भीलवाड़ा जिले की महत्वाकांक्षी चम्बल परियोजना का जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर गुरलाँ मे पानी नहीं मिल रहा है जबकि यहाँ से पाईप लाइन निकल रही है पीएचईडी द्वारा गुरलाँ मुख्यालय पर, पंचायत द्वारा मजरे में पेयजल सप्लाई करती है चम्बल परियोजना द्वारा गुरलाँ मे टंकी तक राईजिंग पाईप लाइन नहीं डालने के कारण गुरलाँ मे पानी नहीं मिल रहा है जबकि पुरानी लाइन है वह भी सिमेंट की जिसमें पानी कम दबाव से छोडते ज्यादा पानी छोडने पर यह लाईन फुट जाती है जो यह पानी पंचायत के द्वारा पेयजल गुरलाँ के मजरे में दे देतें है और गुरलाँ मुख्यालय पर चम्बल परियोजना का पानी नहीं मिल रहा है कारण गुरलाँ मे 4-6 इंच की राइजिंग लाइन से टंकी को नहीं जोडने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड रहा है

करोड़ों रुपये की परियोजना का लाभ नहीं मिल रहा

भीलवाड़ा जिले की पेयजल की महत्वपूर्ण चम्बल परियोजना का जिला मुख्यालय से

मात्र 18 किमी दूर हाइवे पर स्थित गुरलाँ ग्राम पंचायत मुख्यालय चम्बल परियोजना के पानी के लिए तरसा जबकि स्थानिय जलस्त्रोत के पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत है

डिस्ट्रीब्यूटशन लाईन में लिकेंज एवं गन्दगी से बीमारी की संभावना

गाँव की डिस्ट्रीब्यूटशन लाईन के हालात भी खराब है जगह जगह लिकेंज होने के कारण नालियों का पानी वापसी पाईप में चला जाता है साथ ही वाल्व की कुड़ीयो में भी लिकेंज एवं गन्दगी देखीं जा सकतीं है बस स्टैंड स्थित वाल्व के पास लोगों द्वारा यूरिन कर गन्दगी फैल रही है जिससे बिमारियों होने की संभावना है

फ्लोराइड (अशुद्ध) पेयजल की सप्लाई, मानव स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़

जिस कारण से गुरलाँ बस स्टैंड स्थित कुआँ से 1000 - 1100 टीडीएस फ्लोराइड युक्त पानी सप्लाई कर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है जहाँ सरकार करोड़ों रुपए पेयजल पर खर्च करने के बावजूद गुरलाँ मुख्यालय पर शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है

नई राईजिंग पाईप डालने की मांग, अमृत-2 योजना में टंकी निर्माण की मांग

जबकि जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों से गुरलाँ वासियों ने चम्बल परियोजना का पानी एवं तालाब के उस किनारे पर सरकारी कुआँ से गुरलाँ मे स्थित पानी की टंकी तक नई राइजिंग लाइन डाल कर फ्लोराइड मुक्त पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की पुरानी टंकी की जगह केन्द्र सरकार की अमृत 2 योजना के तहत पानी की टंकी बनाएं

अधिकारी व राजनेता जानकर भी अनजान

इस समस्या पर नहीं तो जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान जा रहा है इस सम्बन्ध में कई बार मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 181 पर शिकायत करने व स्थानिक विधायक द्वारा लगाएं गए समस्या समाधान शिविर में प्रार्थना पत्र दिया गया और आमजनता द्वारा मौखिक कहने पर भी हमें चम्बल परियोजना का गुरलाँ ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चम्बल परियोजना का पानी नहीं मिल रहा है

बाल आयोग के सदस्य ध्रुव कुमार कविया ने बच्चो के अधिकारों के लिए भीलवाड़ा जिले में अपने विचार व्यक्त किए

नमस्ते राजस्थान

राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ध्रुव कुमार कविया ने भीलवाड़ा जिले में बाल अधिकार संरक्षण, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया, श्रीमान ने बैठक के दौरान बताया कि बच्चो के अधिकारों के संरक्षण के लिए बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जागरूकता हर विद्यालय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में करने की आवश्यकता है ताकि बच्चो की सहायता के लिए संपर्क किया जा सके। श्रीमान ने बताया कि कुपोषित बच्चों के उचित उपचार के लिए हर तहसील स्तर पर कुपोषित केंद्र का होना आवश्यक है ताकि कुपोषित बच्चों को उचित उपचार मिल सके। साथ ही उन्होंने बताया कि विद्यालय से कम से कम बच्चे ड्रॉपआउट हो ताकि वह बाल श्रम में लिप्त न हो पाए। सदस्य महोदय ने बताया कि आयोग द्वारा बच्चो की हर संभव सहायता की जा रही है, उन्होंने बताया कि बाल विवाह रोकथाम के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098

पर जानकारी आवश्यकरूप से दे ताकि जानकारी देने वाले का नाम गोपनीय रख बाल विवाह रोका जा सके एवं बच्चो के लिए संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी हर विद्यालय एवं समुदाय तक पहुंचे ताकि बच्चो को योजनाओं का लाग मिल सके। उक्त बैठक में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चंद्रकला ओझा, सदस्य विनोद राव, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के गौरव सारस्वत, शिक्षा विभाग के अतिरिक्त परियोजना समन्वयक दिनेश कोली, महिला बाल अधिकारिता विभाग की सीडीपीओ कल्पना मालव, स्थाई लोक अदालत के शांति लाल जैन, मानव तस्करी विरोधी इकाई के सलीम मोहम्मद, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के परियोजना समन्वयक हेमंत सिंह सिसोदिया, नवाचार संस्थान के सचिव अरुण कुमावत, सुमन दाधीच, जिला प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर, रेड एंड रेसक्यू ऑफिसर भगवत सिह, स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने भीलवाड़ा जिले में हो रहे बाल संरक्षण के कार्यों की जानकारी व्यक्त की।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

ललित गर्ग

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है।

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री

मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो।

भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि 'आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बडे.नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। मोदी की सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं, आत्मनिर्भर जीवनयापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। मोदी के नेतृत्व में कई परिवर्तनकारी पहल की गई हैं, जिनका भारत पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनके 'स्वच्छ भारत' अभियान ने पूरे देश में स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जबकि 'मेक इन इंडिया' पहल का लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना है। इसके अतिरिक्त, मोदी के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है, जिससे प्रौद्योगिकी सभी के लिए अधिक सुलभ हो गई है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमंर विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है।

संपादकीय

परिणाम के मायने

दो राज्यों- महाराष्ट्र और झारखंड़- के परिणाम भाजपा और कांग्रेस के लिए कमोबेश मिले-जुले रहे। एक तरफ जहां महाराष्ट्र में भाजपा-नीत महायुति गठबंधन ने प्रचंड़ बहुमत के साथसत्ता में वापसी करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा की 230 सीटों पर जीत दर्ज की; वहीं झारखंड़ मुक्ति मोर्चा (जेएमएम)-नीत गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड़ विधानसभा में 56 सीटें जीत कर भाजपा-नीत राजग गठबंधन को करारी शिकस्त दी। उधर, उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 9 सीटों के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा ने 7 और सपा ने दो सीटें जीतीं। राजस्थान में 7 सीटों के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने पांच सीटें जीतीं जबकि कांग्रेस और बीएपीपी को एक-एक सीट मिली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल में वायनाड़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में 4.1 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से जीत दर्ज की। महाराष्ट्र और झारखंड़ में चुनाव परिणामों को लेकर करीब-करीब सभी एक्जिट पोल्स ने इसी प्रकार के परिणाम आने की बात कही थी। भाजपा का कहना है कि महाराष्ट्र में जीत के एकता का संकेत मिला है कि हम ह्यएक हैंङ्क तो सेफ हैं।' महाराष्ट्र में अपनी करारी हार पर कांग्रेस ने 'हारे को हरि नाम' अंदाज में झारखंड़ में जेएमएम-नीत की जीत को भुलाने का उपक्रम किया है। चुनाव परिणामों को लेकर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने यह कहकर जनादेश का अपमान ही तो किया है कि परिणाम में साजिश नजर आ रही है.यह मराठी 'मानुष' और किसानों का जनादेश नहीं है। चुनाव नतीजों में कुछ तो गड़ब़ड़. है। बेशक, चुनाव परिणाम के नतीजे सभी पक्षों खासकर चुनाव में पराजित होने वाले पक्ष के लिए मौका होते हैं कि वे अपनी हार का आकलन करें और कमियों को जानें। हाल के चुनावों खासकर केंद्र में नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद यानी 2014 के बाद देश में एक नया मतदाता वर्ग उभरा है। यह ऐसा वर्ग है, जो जाति-धर्म से ऊपर उठकर जनादेश देता है। यह वर्ग सरकार की नीतियों और पहल से प्रभावित होकर वोट करता है। हालांकि इस वर्ग को रेवड़ी बांटकर तैयार किया गया वर्ग करार दिया जाता रहा है, लेकिन मानना ही होगा कि मतदाताओं का बड़ा हिस्से के वोट देने के फैसले को सरकार की ओर से मिलने वाले लाभ निर्णायक साबित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भी एकनाथ शिंदे 'लाड़ली बहीण योजना' ने मतदाताओं को उनके पक्ष में लामबंद कर दिया। झारखंड़ में इसी तर्ज पर 'मइया योजना' के अलावा आदिवासी अस्मिता का मुद्दा भारी पड़ा।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

संविधानः हम भारत के लोग

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत रत्न, भारतीय बहुज्ञ, डां भीम राव रामजी अंबेडकर भारतीय संविधान के रचयिता थे। उन्हें 1947 में संविधान मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं 1946 में देश के पूर्व राष्ट्रपति डां राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया। अतुलनीय, भारतीय संविधान यानी विश्व के महान लोकतंत्र का धर्मग्रंथ और आत्मा है। जिसे संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बयर 1949 को ग्रहण किया गया। विश्व में भारत का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है। संविधान लागू होने के समय इसमें 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियां और 22 भाग थे, जो वर्तमान में बढ़कर 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां और 25 भाग हो गए हैं। साथ ही इसमें पांच परिशिष्ट भी जोड़ दिए गए हैं, जो कि प्रारंभ में नहीं थे। संविधान सभा के सभी 284 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। इसके पश्चात 26 जनवरी को भारत का संविधान अस्तित्व में आया। इसे पारित करने में अभूतपूर्व 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन का समय लगा।

अभिभूत, भारतीय संविधान की प्रस्तावना विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। उद्देशिका के माध्यम से भारतीय संविधान का सार, अपेक्षाएं, उद्देश्य उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है। प्रस्तावना यह घोषणा करती है कि संविधान अपनी शक्ति सीधे जनता से प्राप्त करता है। इसी कारण यह हम भारत के लोग इस वाक्य से प्रारम्भ होती है। संविधान भाग 3 व 4 नीति निर्देशक तत्त्व मिलकर संविधान हृदय, चेतना और रीढ कहलाते है। क्योंकि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के लिए मौलिक अधिकार तथा नीति-निर्देश देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यथार्थ प्रदत्त अधिकार हमारे राष्ट्र के परम वैभव और जनकल्याण के लिए सारगर्भित हैं।

विशेष, संविधान विधान भर नहीं है। यह भारतीय संस्कृति है। संविधान की देह भारतीय है। इसलिए कि भारतीय, सभ्यता, संस्कृति से जुड़ा जो दर्शन है। हमारी जो उदात्त जीवन परम्पराएं हैं। संविधान उसे एक तरह से व्याख्यायित करता है। संविधान की नियमावली पर गूढ़ नजर डालें तो पाएंगे कि हमारे संविधान का आधार भगवान श्रीराम के आदर्शों का भी पालन करता है। उनके आदर्श समाज के प्रारूप को ही नहीं अपितु देश के संविधान को तय करने और देश का बेहतर संचालन करने में भी प्रासंगिक हैं। ऐसा ही कुछ विचार आया होगा भारतीय संविधान की मूल हस्तलिखित पांडुलिपि पर चित्र बनाने वाले महान चित्रकार नंदलाल बोस के दिमाग में। 'सर्वधर्म समभाव' की विचारमाला को अपने मानकों में पिरोने वाले भारतीय संविधान की रिक्तता को पूर्ण करने के लिए उन्होंने ऐसे चित्र बनाए। जो भारत की गौरवगाथा के अहम अध्याय हैं। जिनका हमारी अलौकिक जीवन शैली में विशेष योगदान रहा है।

स्तुत्य, भारतीय संविधान हम भारत के लोगों के लिए हमारी अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत जनित स्वतंत्रता एवं समानता के आदर्श मूल्यों के प्रति एक राष्ट्र के रूप में हमारी प्रतिबद्धता का परिचायक है। संविधान की मूल प्रति पर नटराज भी हैं और श्रीकृष्ण भी। वहां शांति का उपदेश देते भगवान बुद्ध, महावीर?, गुरु गोबिंद सिंह भी हैं। हिंदू धर्म के एक और अहम प्रतीक शतदल कमल भी संविधान की मूल प्रति पर मौजूद है। स्वतंत्रता वीर शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस का ओज है। महाराजा विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय की मुहर और पृथ्वी पर गंगावतरण आलोकित है। हालांकि ये तस्वीरें संविधान का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी ये संविधान की मूल प्रति के अभिन्न अंग हैं। जो मूलतः भारतीय संविधान के भारतीय चैतन्य को ही परिभाषित करते हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में निर्मित भारतीय संविधान भारत की ऋषि परम्परा का धर्मशास्त्र है। भारतीय जीवन दर्शन का ग्रंथ है। वस्तुतः भारत का संविधान देश को संप्रभु, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक गणतंत्र घोषित करता है और अपने नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय की प्रत्याभूति देता है। अनुकरणीय, हमें असीम गर्व और गौरव सार्थक अनुभूति होती है। सत्यमेव जयते!

(हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार, बालाघाट, मप्र)

गंगा नदीः प्रदूषण से चाहिए मुक्ति

सुरेश भाई

गंगा में करोड़ों लोगों की आस्था है। देश-विदेश में रहने वाले लोगों की जीवन में एक बार इच्छा रहती है कि वे गंगोत्री का साक्षात दर्शन करके गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगा कर पुण्य कमाएं। बहुत से बुजुर्ग हैं, जो जीवन के अंतिम पड़ाव पर गंगा के दर्शन के बाद मुक्ति की कामना करते हैं। लेकिन पर्यावरण में आ रहे बदलाव के बाद भागीरथी के रूप में गंगोत्री से आ रही गंगा की यह मुख्यधारा उद्गम से ही प्रदूषित हो रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा गंगा एक्शन प्लान और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नमामि गंगे परियोजना में गंगा की निर्मलता के लिए पर्याप्त बजट, तकनीक, मानव संसाधन आदि का उपयोग करने के बाद भी गंगोत्री में प्रति दिन एक मिलियन लीटर क्षमता वाले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से एकत्रित किए गए नमूने के आधार पर 100 एमएल पानी में फेकल कॉलीफॉर्म का स्तर 540 पाया गया है। फेकल कॉलीफॉर्म का यह स्तर मनुष्यों और जानवरों के मल मूत्र से निकलने वाले सूक्ष्म जीवों से होने वाले प्रदूषण को दशार्ता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार स्नान और आचमन करने योग्य जल की गुणवत्ता मानदंडों के अनुसार 100 एमएल पानी में फेकल कॉलीफॉर्म का लेवल 500 से कम होना चाहिए। लेकिन गंगोत्री में ही यह 540 पाया गया है, जो इंसान के लिए बहुत खतरनाक है। इससे स्पष्ट है कि जल पीने लायक भी नहीं है।

5 नवम्बर, 2024 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि इसकी निगरानी करके 13 फरवरी, 2025 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। चिंताजनक है कि गंगा के उद्गम उत्तराखंड में ही देहरादून, उत्तरकाशी, पौड़ी, चमोली, हरिद्वार, टिहरी में लगाए गए लगभग 53 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की क्षमता इतनी कम है कि गंगा में गिर रहे सीवर की सफाई नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 'गंगा' प्रदूषण की बीमारी से ग्रस्त है जहां पर 22 अक्टूबर, 2024 की रिपोर्ट में 326 नालों में से 247 नाले बिना शोधित हैं, जिनमें से 3513.16 एमएलडी सीवेज गंगा और सहायक नदियों में गिर रहा है। 6 नवम्बर, 2024 के आदेश में एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि प्रयागराज जिले में सीवेज शोधन में 128 एमएलडी का अंतर है। यहां 25 नालों से गंगा में बिना शोधित सीवेज भी गिर रहा है और यमुना में भी 15 नालों से बिना शोधित सीवेज जा रहा है।

मैदानी क्षेत्रों में कहीं भी गंगा जल की गुणवत्ता नहीं बची है। गोमती नदी में भी प्रदूषणकारी तत्व जमा हो गए हैं। यही हालत गंगा की सहायक काली, हिंडन, रामगंगा, तमसा, बेतवा, आसी, वरु णा समेत डेढ़ दर्जन नदियों की है, जो नाले का रूप ले चुकी हैं। उत्तर प्रदेश के 23 जिलों, जो गंगा के किनारे बसे हैं, में से 12 जिलों में तो पानी को साफ करने की सुविधा तक मौजूद नहीं है जबकि वाराणसी, फरूर्खाबाद, कानपुर, उन्नाव और मिजार्पुर जिलों से गंगा में आ रहे गंदे नालों की ताजा स्थिति उपलब्ध होनी बाकी है। पटना में 507 नाले चिन्हित किए गए हैं, जो बिना ट्रीटमेंट गंगा में गिर रहे हैं। दीघा नहर का जहरीला रसायनयुक्त काला पानी बेधड़क गंगा में पहुंच रहा है। अभी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर इसी पानी में 4-5 लाख लोगों ने स्नान किया जबकि यहां फेकल कॉलीफॉर्म नामक खतरनाक जीवाणुओं की संख्या मानक से कई गुना अधिक है। शोध के अनुसार गंगा जल में बैट्रीयोफोस नामक बैक्टीरिया पाया जाता है, जो जल में रासायनिक क्रियाओं से उत्पन्न अवांछनीय पदार्थों को खाता रहता है जिससे गंगा जल की शुद्धता बनी रहती है। लेकिन अंधाधुंध प्रदूषण के कारण ऐसे लाभदायक बैक्टीरिया उद्गम से ही समाप्त हो रहे हैं।

गंगा की मौजूदा स्थिति को देखते हुए कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं कि गंगा की निर्मलता अविरलता के लिए 2014 में निर्धारित 20 हजार करोड़ रुपये की राशि के अलावा अधिक आवश्यक होता कि सरकार और समाज को मिल कर प्रदूषणकारी तत्वों, जो पूरी तरह मानव जनित हैं, को विभिन्न संवादों और नियमों के आधार पर रोकना चाहिए था जिसके लिए गांव की जल एवं स्वच्छता समिति से लेकर राज्य और केंद्र के संबंधित मंत्रालय मिल कर प्रयास कर सकते थे। गंगा की सफाई के नाम पर दो प्रयास अधिक प्रकाश में

आए हैं, जिसमें पहला स्नान घाटों की सफाई जहां पर रंग-बिरंगे टाइल लगे हुए हैं। दूसरा एसटीपी के सहारे गंगाजल की सफाई। जबकि बरसात में एसटीपी ध्वस्त हो जाते हैं। इसका अर्थ है कि गंदगी करने वाले अनियंत्रित पर्यटकों, उद्योगों, प्लास्टिक संस्कृति को मौका मिल रहा है कि वे अपने उपयोग के बाद पैदा होने वाली गंदगी और मानवीय मल मूत्र को जहां भी विसर्जित करेंगे वहां जल शोधन की प्रक्रिया से साफ हो जाएगा। ऐसा न करने से उन्हें कोई रोक भी नहीं रहा है जिसके परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इसके चलते गंगाजल को प्रदूषण से मुक्ति कैसे मिलेगी?

ओडिशा के बेरहामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

बेरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसकी जानकारी दी। भाजपा विधायक अनिल कुमार ने बेरहामपुर के रामलिंगम पार्क में परियोजना की आधारशिला रखी। प्रतिमा की कुल ऊंचाई 17 फुट होगी, जबकि इसका आधार 6.5 फुट होगा। कुमार ने कहा कि प्रतिमा के लिए करीब 20 लाख रुपये की जरूरत होगी और इस उनके स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) कोष से खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर प्रतिमा का अनावरण करने की योजना बना रहे हैं।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार, नदी में गिरने से तीन लोगों की मौत

बरेली। वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बरेली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। वे दिशा-निर्देशों के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर रहे थे, जो अधूरे फ्लाईओवर से होकर दूरी तक पहुँचने का सबसे तेज मार्ग दिखा रहा था। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे। वे लोग समारोह स्थल तक पहुँचने के लिए गूगल मैप्स पर निर्भर थे, तभी उनका जीपीएस उन्हें अधूरे फ्लाईओवर पर ले गया। लोगों ने अगली सुबह क्षतिग्रस्त कार और तीनों लोगों को मृत पाया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। पुलिस ने बताया, आज सुबह 9:30 बजे रामगंगा नदी पर एक क्षतिग्रस्त कार मिली। पुलिस को सूचना दी गई और वह मौके पर पहुंची। र अधूरे पुल पर जा गिरी और वहां से नदी में गिर गई।

गोरखपुर में भीड़ ने थानेदार और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा

गोरखपुर। यहां दो पक्षों के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज (दारोगा) और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा। पिटाई से चौकी इंचार्ज बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची थाने की पुलिस ने उन्हें भीड़ के चंगुल से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कनहौली गांव में रविवार की सुबह दो पट्टीदारों के बीच गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया। मामला गाली-गलौज तक पहुंचा तो एक पटीदार श्रवण यादव ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनो पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। हालांकि शाम होते होते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने इकट्ठे हो गए। दोनों तरफ से जम कर ईंट-पत्थर चलने लगे तो श्रवण यादव ने इसकी सूचना पुलिस चौकी पर दी गई।आरोप है कि चौकी इंचार्ज (दारोगा) अपने हमराही के साथ जैसे ही उक्त स्थल पर पहुंचे, श्रवण पक्ष के लोगों ने पुलिस पर लेट पहुंचने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज सहित कांस्टेबल को जमकर पीट दिया। भीड़ उन्हें एक कमरे में ले गई और बंधक बना लिया। किसी ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने बमुश्किल दोनों पुलिसकर्मियों को हमलावरों के चंगुल से बाहर निकाला।

34 करोड़ की कोकीन तस्करी का संदिग्ध मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किए एक कार्रवाई में सिएरा लियोन से आए एक लायबेरियन नागरिक को हिरासत में लिया। बताया गया है कि उक्त यात्री का ट्रॉली बैग असामान्य रूप से भारी पाया गया और डीआरआई अधिकारियों ने बैग का जब गहन निरीक्षण किया तब ट्रॉली बैग के निचले डिब्बे में सफेद पाउडर वाले दो पाउच पाए गए। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि यह कोकीन है। इसका कुल वजन 3496 ग्राम है और बाजार में इसकी कीमत 34.96 करोड़ रुपये है। संबंधित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर मांगे 50 लाख, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

भरतपुर। शहर के कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा को लॉरेंस विश्नोई गैंग के द्वारा 50 लाख रुपए की रंगदारी की मांग के बाद धमकी मिलने की घटना चर्चा में है। पीड़ित ने कॉल और मैसेज में अजनबी नंबर से धमकी के साथ मांग प्राप्त की थी। विवेक शर्मा ने इस मामले को लेकर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला लॉरेंस विश्नोई गैंग के पाठक्रम से भिन्न है, क्योंकि इस घटना में भारतीय नंबर से संपर्क किया गया है। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए आश्वासन दिया है कि आरोपी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना से शहर में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस ने जनता को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर रहे विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा और पूरे मामले का सच सामने आएगा। इसके बाद, लोगों को फिर से शहर में निर्भीकता की भावना महसूस होगी।

साधू संतो का अभियान ही अब करेगा देश में नव चेतना का जागरण

महोबा (एजेंसी)। हिन्दुओं की एकता के लिए बागेश्वर धाम से ओरछा की पदयात्रा पर निकले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने आज कहा की भारत वर्ष में हिन्दुओ को जाति के आधार पर बांटने वालों की कुत्सित मानसिकता के खिलाफ साधू संतो का अभियान देश में परिवर्तन की नई चेतना का जागरण करेगा.यह अभियान एक सौ पचास करोड़ लोगो को एक सूत्र में बाँधने की कवायद के साथ इस देश को आपस में जोड़ने का मंत्र भी है.

सोमवार को उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के अशोक नगर में प्रवेश पर हजारों लोगो की भीड़ के साथ यात्रा पर पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की उनकी सनातानी हिन्दू यात्रा को लेकर तरह -तरह की बाते लोगो द्वारा भले की जा रही है लेकिन यह सही नहीं है. यह यात्रा तमाम जातियों में बंटे हिंदू को एक मंच पर लाने की कवायद है.जिन्हे विभाजित करके कतिपय लोगो द्वारा लाभ लिया जा रहा है. कुछेक राजनैतिक दल इस दिशा में बीते कई सालो से अपनी योजना को अंजाम दे रहे है. लेकिन उन्हें सफलता नही मिल रही है जिससे वह बैचेन है.

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की बागेश्वर धाम से 21 नवम्बर को शुरू होकर 29 नवम्बर को सम्पन्न होने वाली सनातानी हिन्दू यात्रा एक प्रयोग है. जल्द ही पूरे देश में साधू संतो द्वारा इस प्रकार की अन्य कई यात्राएं निकाल कर हिन्दू को एकजुट करने का कार्य किया जाएगा. देश में सनातन बोर्ड की स्थापना की लड़ाई का क्रम जारी रहेगा. पचास हज़ार से ऊपर भीड़ के साथ चल रहे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने पर महोबा जिले के अशोक नगर में भारी संख्या में समर्थको ने जोरदार तरीके से स्वागत किया. मध्य प्रदेश पुलिस ने भी इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था को उत्तर प्रदेश पुलिस को हेंड ओवर किया.

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ यात्रा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धाचार्य और अयोध्या की हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास आज मौजूद रहे. धीरेन्द्र शास्त्री ने सवालों के जवाब में यूपी के सम्भल में हुये उपद्रव पर क़ानून तोड़ने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाही और आर एस एस सुप्रीमो मोहन भागवत के बयान की हिन्दुओं को सभी मस्जिदों के भीतर शिव लिंग न देखने की बात पर उनकी निजी टिप्पणी करार देते हुये कुछ भी कहने से इंकार किया.

अडानी समूह से तेलंगाना सरकार नहीं लेगी 100 करोड़ रुपए का दान! सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के राज्य में स्थापित की जा रही यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ का दान पर रोक लगा दी है। रेड्डी ने दान को रोकने के निर्णय के लिए प्रारंभिक घोषणा के बाद

बढ़ती 'अनावश्यक चर्चाओं' का हवाला दिया। रेड्डी के हवाले से कहा गया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा ने अनावश्यक चर्चाओं को जन्म दिया कि यदि दान स्वीकार किया गया तो यह राज्य सरकार या सीएम का पक्ष ले सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार ने अदानी समूह सहित किसी भी संगठन से एक भी रुपया अपने खाते में स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। रेड्डी ने बताया कि पत्र में अदाणी फाउंडेशन से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि वह विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये हस्तांतरित न करें।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव: हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए।'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, 'किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क(सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है।' कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं। सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस अवधि के दौरान विभिन्न विभागों के कामकाज में बदलाव कर वह राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले आए हैं और वह राज्य के लोगों के हित में साहसिक कदम उठाना जारी रखेंगे।

ललन सिंह के बयान से बिहार में सियायी घमासान... तेजस्वी ने कहा उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के बयान को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नीतीश सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, मुसलमान जदयू को वोट नहीं देते हैं। मंत्री सिंह ने सीएम नीतीश के कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से की गई।

सीएम नीतीश के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदयू अध्यक्ष सिंह ने कहा, मुसलमान पहले भी जद-यू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी युग के दौरान, मदरसा शिक्षक प्रति माह 4,000 रुपये कमाते थे। नीतीश के नेतृत्व में, उनके वेतन को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप किया गया है, जो उनकी वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने उन्नत शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं जैसे उपायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को गति दी है।

हालाँकि, केंद्रीय मंत्री सिंह ने अफसोस जताया कि ये प्रयास नीतीश या जद-यू के लिए वोटों में नहीं बदले हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक प्राथमिकताओं की आलोचना कर दावा किया कि जिन पार्टियों का वे समर्थन करते हैं, उन्होंने उनके विकास में योगदान नहीं दिया है। अपनी टिप्पणी में, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनावी गतिशीलता की वास्तविकताओं को पहचानने का आह्वान कर कहा, किसी भी भ्रम में न रहें कि अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश को वोट देता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश सभी के लिए काम करते हैं।

हालांकि, जदयू नेता मोहम्मद जमाल ने केंद्रीय मंत्री सिंह के बयान पर पलटवा कर कहा है कि बिहार का अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश के साथ मजबूती से खड़ा है। वहीं नीरज कुमार के बाद अब अशोक चौधरी ने कहा कि, सिंह के बयान पर विपक्ष जबरदस्ती का विवाद पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश न हिंदू है न मुसलमान है, न वह सिख हैं न इसाई है। नीतीश कुमार एक इंसान हैं, जो एक इक्कसवीं सदी के बिहार के निर्माण का सपना देखा और काम कर रहा है।

ललन के बयान पर राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि छोड़िए ललन सिंह की बात, हम लोगों के साथ थे, तब प्रधानमंत्री और अमित शाह को क्या-क्या बोलते थे। इधर हैं, तब इधर की बात करेंगे, उधर हैं, तब इधर की बात करते है। उनकी अपनी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है। वहीं, बयान के सफाई में ललन सिंह ने कहा कि मुजफ्फरपुर में मैंने कहा कि नीतीश कुमार वोट के लिए काम नहीं करते, वह बिहार की भलाई के लिए काम करते हैं और नीतीश कुमार ने पिछले 19 वर्षों में समाज के हर वर्ग के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए काम किया है और उसी का परिणाम है कि आज बिहार बदल रहा है।

40 बागी विधायकों में से 5 को मिली हार, सामना के जरिए उद्धव ठाकरे ने शिंदे को राजनीति छोड़ने के वादे की दिलाई याद

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके राजनीति छोड़ने के वादे की याद दिलाई, यदि 2022 में अविभाजित शिवसेना के विभाजन के दौरान उनके साथ रहने वाले बागी विधायकों में से कोई भी राज्य में विधानसभा चुनाव हार गया। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक लेख में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने शिंदे को याद दिलाया कि 40 बागी विधायकों में से पांच विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दैनिक ने कहा कि विधायक हैं माहिम से सदा सरवनकर, भायखला से यामिनी जाधव, सांगोला से शाहजी बापू पाटिल, मेहकर से संजय रायमुलकर और उमरगा से ज्ञानराज चौगुले।

शिंदे की सेना की ओर से एकनाथ शिंदने को मुख्यमंत्री बने रहने की मांग बढ़ने के बाद पार्टी की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने शिंदे के समर्थन में बिहार में व्यवस्था का हवाला दिया। म्हास्के ने कहा कि हमें लगता है कि शिंदे को मुख्यमंत्री होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बिहार में हुआ था, जहां बीजेपी ने संख्या को नहीं देखा, लेकिन फिर भी जेडीयू नेता नीतीश कुमार को सीएम बनाया। महायुति (महाराष्ट्र में) के वरिष्ठ नेता अंततः निर्णय लेंगे। शिंदे की सेना से महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने भी रविवार को कहा कि पार्टी विधायकों का मानना है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। केसरकर ने

संवाददाताओं से कहा, उनके नेतृत्व में, महायुति ने बहुत अच्छा काम किया और चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महायुति के साझेदार अंतिम निर्णय लेंगे।

शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सरकार में मंत्री थे, ने तत्कालीन सीएम के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। शिंदे के साथ कम से कम 39 अन्य विधायक भाजपा के साथ 'बातचीत' शुरू करने के लिए सबसे पहले गुजरात के सूरत और असम के गुवाहाटी, दोनों भाजपा शासित राज्यों के लिए रवाना हुए। बाद में शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

रामदास अठावले ने बता दिया, सीएम की रेस में कौन है सबसे आगे, अपनी पार्टी के लिए मांगा मंत्री पद

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस, राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की ओर अग्रसर हैं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। फडणवीस से उनके आवास पर मुलाकात के बाद अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर फैसले को अगले दो से तीन दिनों के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि शपथ ग्रहण समारोह जल्द ही होगा और आश्वासन दिया कि आरपीआई-ए कैबिनेट में जगह सुरक्षित करेगी। केंद्रीय मंत्री ने फडणवीस के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगले मुख्यमंत्री के तौर पर देवेन्द्र फडणवीस को चुना जाएगा। बीजेपी को 132 सीटें मिली हैं। अजित पवार ने भी देवेन्द्र फडणवीस को 41 सीटों का समर्थन दिया। एकनाथ शिंदे से चर्चा अभी भी जारी है। अठावले ने यह भी सुझाव दिया कि एकनाथ शिंदे, जिन्होंने शिव सेना को 58 सीटों पर जीत दिलाई, को केंद्रीय पद से सम्मानित किया जाना चाहिए, जबकि शिव सेना को एक उपमुख्यमंत्री की सीट मिलनी चाहिए।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध, प्रदर्शनकारियों व पुलिस में झड़प

दुकानदार और पालकीवालों ने कहा, हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी

श्रीनगर (एजेंसी)। कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध बढ़ता जा रहा है। सोमवार को लोकल दुकानदार और मजदूरों ने लगातार चौथे दिन प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। झड़प में पुलिस का एक जवान घायल हो गया है।

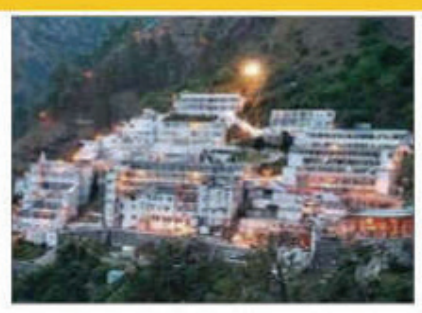

प्रदर्शनकारियों ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध रैली निकाली और शालीमार पार्क के बाहर धरना दिया। बता दें कि शालीमार पार्क में ही वैष्णोदेवी दर्शन के लिए जाने वाले लोगों के लिए बेस कैंप शिविर बनाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले रोपवे प्रोजेक्ट से मौजूदा रूट के लोकल दुकानदार का व्यापार ठप हो जाएगा। पालकी और घोड़े से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले स्थानीय लोगों ने कहा कि नया प्रोजेक्ट 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। इसके बनने के बाद श्रद्धालु रोपवे से जाएंगे। हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुकानदारों और घोड़े-पालकीवालों ने तीन दिन हड़ताल का भी ऐलान किया था। 22 नवंबर से शुरू हुई यह हड़ताल अब एक दिन और बढ़ाई गई है। प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही प्रभावितों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए कहा है।

रोपवे से सात घंटे का सफर मात्र एक घंटे में होगा

श्री वैष्णो देवी मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया कि 250 करोड़ रुपए की लागत से नए रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण हो रहा है। इसके तहत कटरा से सांझीछत जाने में महज छह मिनट का समय लगेगा। इसके बाद 45 से 50 मिनट में वैष्णो देवी भवन तक पहुंचा जा सकता है। अभि भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में चढ़ाई करके 6-7 घंटे लगते हैं। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद श्रद्धालु को सिर्फ एक घंटा लगेगा। इससे श्रद्धालुओं को आसानी होगी।

निज्जर कांड में न सबूत-न सुनवाई, अब 4 भारतीयों को फंसाने पर तुला कनाडा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने खालिस्तानी प्रेम से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। इसी प्रेम के चलते कनाडा में उनका जबरदस्त विरोध हो रहा है,इसके बाद भी ट्रूडो खालिस्तानियों के चंगुल में फंसे हुए हैं। निज्जर हत्याकांड में उसके पास सबूत है नहीं और अब वह प्रार्रंभिक सुनवाई का भी मौका नहीं दे रहा। जी हां, अब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड के कथित आरोपी चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीधे अभियोग अथवा मुकदमे चलाने का ऐलान है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में चार भारतीय नागरिक हैं- करण बरार, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह। इन चारों आरोपी भारतीय नागरिकों को 21 नवंबर को सरे की प्रांतीय अदालत में पेशी के लिए हाजिर होना था, मगर ऐन वक्त पर कार्यवाही को रद्द कर दिया गया और वे पेश नहीं हो सके। अब वे 11 फरवरी, 2025 को पेश होंगे। कनाडा के अफसरों की मानें तो अभी सुनवाई शुरू होने की कोई संभावित तारीख तय नहीं है। 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में निज्जर की हत्या के मामले में इस साल मई में गिरफ्तार किए गए चार लोगों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से मामले की सुनवाई पांच बार टाली जा चुकी है। चारों पर निज्जर की हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

बिना शुरुआती सुनवाई के ही यह ट्रायल चलेगा। बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस की मानें तो इसके चलते सरे प्रोविंसियल कोर्ट में सुनवाई से पहले की कार्यवाही रोक दी गई है और मामला अब सीधे सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। जस्टिन ट्रूडो निज्जर हत्याकांड को दिल से लगा बैठे हैं। वह इस मसले के वोट बैंक के रूप में देख रहे हैं। वह इसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं।खबर के मुताबिक, निज्जर हत्याकांड के कथित चारों आरोपियों पर सीधे अभियोग चलाने का मतलब है कि मामला बिना किसी प्रार्रंभिक सुनवाई के सीधे ट्रायल के लिए जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण चरण को दरकिनार कर देता है, जहां आरोपी के बचाव पक्ष के वकील को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और वास्तविक मुकदमे शुरू होने से पहले अपने मुवक्किल के खिलाफ मामले का पता लगाने का अवसर मिलेगा। मगर अब यह मामला सीधे ट्रायल में जाएगा। कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत, डायरेक्ट इंडिक्टमेंट यानी प्रत्यक्ष अभियोग एक स्पेशल पावर है, जिसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर किया जाता है। यह अटॉर्नी जनरल की संवैधानिक जिम्मेदारी पर निर्भर करता है कि जो लोग मुकदमे के लायक हैं, उन पर वाकई मुकदमा चलाया जाए। इसे आम तौर पर जनहित के कुछ खास मामलों में ही लागू किया जाता है, जैसे कि जब गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर उचित चिंता हो।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आयुर्वेद का बढ़ता प्रभाव, 10 हजार आयुर्वेदिक डॉक्टरों की होगी भर्ती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। अब ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना (एनएचएस) में आयुर्वेद को औपचारिक रूप से शामिल करने की तैयारी शुरू हो गई है। एक सर्वदलीय कमेटी ने आयुर्वेद को एक प्रभावी और बेहतर चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसकी सिफारिश की है। यह भारतीय आयुर्वेदिक डॉक्टरों के लिए एक बड़ी खुशखबरी साबित हो सकती है। ब्रिटेन में अगले पांच साल में 10 हजार आयुर्वेदिक डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। साथ ही, ब्रिटेन में आयुर्वेद से संबंधित सौंदर्य, स्वास्थ्य और शैक्षणिक संस्थानों की संख्या भी पांच साल में 500 तक पहुंचने का अनुमान है। ब्रिटेन में आयुर्वेद के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में ब्रिटेन में आयुर्वेद से जुड़ी लगभग 100 संस्थान हैं, लेकिन अगले कुछ सालों में इनकी संख्या बढ़कर 500 हो सकती है। यह बदलाव खासकर सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है, जहां आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है।

भारतीयों के लिए यूरोप का वीजा लेना हुआ मुश्किल, पहले से तीन गुना जटिल हुई प्रक्रिया

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप के 29 देशों का शेनजेन वीजा प्राप्त करना दिनों-दिन जटिल होता जा रहा है। 2013 से 2023 के बीच शेनजेन जोन में वीसा अर्जियों के रद्द होने की दर 5 प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई है। इस बढ़ती कठिनाई के कारण भारतीय यात्रियों को यात्रा योजनाओं में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शेनजेन वीजा के लिए सामान्य फीस 6000 रुपए है, लेकिन भारतीयों को अतिरिक्त 1900 रुपए चुकाने पड़ते हैं। जबकि ब्रिटिश वीजा 12,700रुपए और अमेरिकी वीसा 15,600रुपए में मिलता है। विशेष सुविधाओं, जैसे लाउंज या ऑफ-ऑवर आवेदन, के लिए अतिरिक्त 2500-16,000रुपए तक का खर्च होता है। वीजा प्रक्रिया का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा प्राइवेट कंपनियों के जरिए आउटसोर्स किया जाता है। वीएफएस ग्लोबल, टीएलएस कॉन्टैक्ट और बीएलएस इंटरनेशनल जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में 70 प्रतिशत नियंत्रण है। इन्वेस्टमेंट फर्म नुवामा ग्रुप के अनुसार, वीसा आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री हर साल 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और 2030 तक इसका मूल्य 42,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। यूरोप जाने वाले यात्रियों को बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप, टैक्स रिटर्न जैसी कई दस्तावेजी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। आवेदन के बाद भी कई बार अर्जियां अस्वीकृत हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। खास बात यह है कि यूरोप जाने के लिए अमीर देशों के लिए वीजा में छूट है लेकिन विकासशील देशों पर बोझ डाला गयाहै।

थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेपाल के मुक्तिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने पोखरा में नेपाल सेना के पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां मेजर जनरल संतोष बल्लभ पौडयाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत के थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में स्थित मुक्तिनाथ मंदिर के दर्शन किये और वहां पूजा-अर्चना की। इस मंदिर का हिंदू तथा बौद्ध दोनों धर्मों में विशेष धार्मिक महत्व है। नेपाल सेना मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने पोखरा में नेपाल सेना के पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां मेजर जनरल संतोष बल्लभ पौडयाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जनरल द्विवेदी नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक सिगदेल के निमंत्रण पर नेपाल की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे थे। जनरल द्विवेदी को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा नेपाल सेना के जनरल की मानद पदवी से सम्मानित किया गया। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय से भी मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर बातचीत की।

जॉर्डन के सुरक्षा बलों ने इजराइली दूतावास के पास गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर किया

अम्मान, एजेंसी। हमलावर की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। इजराइल और जॉर्डन के बीच 1994 में शांति समझौता हुआ था लेकिन हमास के साथ युद्ध और लेबनान में इजराइली हमले के बाद से दोनों देशों के बीच काफी तनाव है। जॉर्डन के अधिकारियों ने इजराइली दूतावास के पास पुलिस दल पर गोलीबारी करने के आरोपी को ढेर कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दूतावास के पास गोलीबारी की घटना में तीन पुलिस अधिकारी घायल हो गए थे। गोलीबारी की यह घटना रविवार तड़के जॉर्डन की राजधानी अम्मान के रबियाह इलाके में हुई। जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने एक बयान में कहा कि एक व्यक्ति क्षेत्र में गोलीबारी कर रहा था सुरक्षा बलों ने सूचना मिलने पर हमलावर का पीछा किया। बयान में कहा गया, ''हमलावर का पीछा किया गया और उसे घेर लिया गया, जिसके बाद उसने सुरक्षा बलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें हमलावर मारा गया।

डायलिसिस कराने आए मरीजों में फैलता रहा एचआईवी संक्रमण, डॉक्टरों को सुध नहीं; अस्पताल का स्टाफ निलंबित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने मुल्तान के निश्तार अस्पताल के मेडिकल स्टाफ को निलंबित करने का फैसला किया है। दरअसल इस अस्पताल के डायलिसिस विभाग से मरीजों में एचआईवी का संक्रमण फैला है। यही वजह है कि सीएम ने लापरवाही बरतने के आरोप में अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख समेत कई स्टाफ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

जांच में कर्मचारियों की मिली गंभार लापरवाही : जांच में अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल में गंभीर किस्म की लापरवाही की गई, जिसकी वजह से अस्पताल में डायलिसिस कराने वाले कर्मचारियों में एचआईवी का संक्रमण फैला। मरियम नवाज ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट समेत विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉक्टर मुहम्मद काजिम, गुलाम अब्बास (नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख), पूनम खालिद (एसोसिएट प्रोफेसर), मोहम्मद कदीर (सीनियर रजिस्ट्रार), मलियाह जौहर, मोहम्मद आलमगीर (नेफ्रोलॉजी विभाग के मेडिकल ऑफिसर) और हेड नर्स नहीद परवीन शामिल हैं। जांच में पता चला है कि एचआईवी मामलों की पुष्टि के बाद भी अस्पताल के स्टाफ ने मामलों को दबाने की कोशिश की, जिसकी वजह से संक्रमण और फैला। सरकार के फैसले के विरोध में उतरे अस्पताल के अन्य कर्मचारी जांच में पता चला है कि डायलिसिस

कर्मचारियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिस्पोजेबल किट को कई मरीजों में इस्तेमाल किया जा रहा था, इसकी वजह से ही एचआईवी संक्रमण किडनी के मरीजों में फैला। दूसरी लापरवाही ये रही कि अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर और कर्मचारियों ने कई हफ्तों तक डायलिसिस विभाग का दौरा ही नहीं किया। मामला बढ़ने के बाद पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने निश्तार अस्पताल का दौरा किया और गंभीर लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मोदी से पंगा ट्रूडो को पड़ा ऐसा भारी, अपने ही अधिकारियों को बताना पड़ा अपराधी

कनाडा, एजेंसी। ट्रूडो का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है, जिसमें सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश भी शामिल है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों पर निशाना साधा और मीडिया को जानकारी लीक करने के लिए उन्हें अपराधी बताया। ब्रैम्पटन में एक मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रूडो ने खुफिया अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही विदेशी हस्तक्षेप की राष्ट्रीय जांच स्थापित कर दी है। ट्रूडो ने कहा कि दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को शीर्ष-गुप्त जानकारी लीक करने वाले अपराधियों ने लगातार उन कहानियों को गलत पाया है। यही कारण है कि हमने विदेशी हस्तक्षेप की एक राष्ट्रीय जांच की थी, जिसने इस बात पर प्रकाश डाला है कि मीडिया आउटलेट्स को जानकारी लीक करने वाले अपराधी अविश्वसनीय हैं। ट्रूडो का यह बयान उस मीडिया रिपोर्ट के एक दिन बाद आया है जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को कनाडा में आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है, जिसमें सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश भी शामिल है। अटकलबाजी और गलत। एक अज्ञात वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी के हवाले से द ग्लोब एंड मेल अखबार ने मंगलवार को खबर दी कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों का मानना ??है कि प्रधानमंत्री मोदी को निज्जर की हत्या और अन्य हिंसक साजिशों के बारे में पता था। अधिकारी ने कहा अधिकारी ने कहा, कनाडाई और अमेरिकी खुफिया ने हत्या की कार्रवाई के तार गृह मंत्री अमित शाह से भी जोड़े थे। प्रिवी काउंसिल कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में, ट्रूडो ने कहा कि 14 अक्टूबर को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और चल रहे खतरे के कारण, आरसीएमपी और अधिकारियों ने कनाडा में गंभीर आपराधिक गतिविधि के सार्वजनिक आरोप लगाने का असाधारण कदम उठाया।

एलन मस्क ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती के लिए भारत को सराहा, अमेरिका पर कसा तंज

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने दो राज्य विधानसभा चुनावों और उपचुनावों की मतगणना एक ही दिन में संपन्न होने के बाद भारतीय चुनाव प्रणाली की सराहना की है। साथ ही उन्होंने अमेरिका की इस प्रक्रिया पर कटाक्ष भी किया, जहां कैलिफोर्निया में अभी तक मतदान की घोषणा नहीं हुई है। मस्क ने एक्स पर लिखा, भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती कर ली है, जबकि कैलिफोर्निया अभी भी वोटों की गिनती कर ही रहा है।

मस्क ने ये टिप्पणी उस एक्स पोस्ट पर दी जिसका शीर्षक था कि भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोटों की गिनती की। मस्क ने ऐसे ही एक दूसरी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उस पोस्ट में लिखा था कि भारत ने एक दिन में 640 मिलियन वोट गिने और कैलिफोर्निया 18 दिन बाद भी 15 मिलियन वोट नहीं गिन पाया है। इस पर मस्क ने लिखा- दुखद। खबरों की मानें तो राष्ट्रपति चुनाव संपन्न होने के 2 हफ्ते बाद भी कैलिफोर्निया में अभी भी 300,000 से अधिक मतों की गिनती होनी बाकी है। डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी चुनावों का विजेता घोषित किए हुए कई सप्ताह हो चुके हैं। ट्रंप अब जनवरी अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। कैलिफोर्निया अमेरिका का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है, जहां लगभग 39 मिलियन निवासी रहते हैं। 5 नवंबर को हुए मतदान में कम से कम 16 मिलियन मतदाताओं ने भाग लिया। हालांकि, हाल के वर्षों में यह चुनाव परिणामों की गणना और रिपोर्ट करने में सबसे धीमे राज्यों में से एक रहा है। देरी मुख्य रूप से इसके विशाल आकार और मेल-इन वोटिंग के कारण है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, मतदान की घोषणा करने में कई सप्ताह लग सकते हैं, ऐसा ही कुछ 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हुआ था। कैलिफोर्निया के चुनाव मुख्य रूप से मेल-इन वोटिंग पर निर्भर करते हैं, जिसके लिए व्यक्तिगत मतदान की तुलना में प्रक्रिया करने में अधिक समय और प्रयास की आवश्यकता होती है। प्रत्येक मेल-इन मतपत्र को व्यक्तिगत सत्यापन और प्रोसेसिंग से गुजरना पड़ता है, एक ऐसी प्रक्रिया जो मतदान केंद्रों पर मतपत्रों को स्कैन करने की तुलना में अधिक समय लेती है।

गाजा पट्टी में इजरायल की बमबारी जारी, बच्चों सहित 17 की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इजरायली बमबारी में कम से कम 17 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा शहर के दक्षिण-पूर्व में अल-जायतून में एक घर पर इजरायली एयर स्ट्राइक में तीन बच्चों सहित सात फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शनिवार को फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, वहीं गाजा पट्टी के खान यूनिस में तीन घरों पर बमबारी की गई जिसमें बच्चों सहित नौ लोग मारे गए जबकि गाजा के नुसेरात शिविर में एक अपार्टमेंट पर बम गिराए गए जिसमें एक शख्स की मौत हो गई। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 44,056 हो गई है। हाल ही में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन एजेंसी के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने कहा कि गाजा बच्चों के लिए कब्रिस्तान बन गया है। उन्होंने विश्व बाल दिवस (जो हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर एक बयान में कहा, वे (बच्चे) मारे जा रहे हैं, घायल हो रहे हैं।

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी संघर्ष में 37 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में ताजा सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई और 103 घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यह ताजा हिंसा शिया मिलिशिया समूहों द्वारा किए गए जवाबी हमले का परिणाम है। इससे पहले गुरुवार को पाराचिनार से जा रहे यात्री वैन के काफिले पर अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर 47 शिया मुसलमानों को मार डाला था। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह कुर्रम जिले में ताजा सांप्रदायिक झड़पें शुरू हो गईं, जिसमें बड़ी संख्या में बंदूकधारियों ने भारी हथियारों के साथ आसपास के गांवों को निशाना बनाया। गांवों को मलबे में बदल दिया गया, घरों, बाजारों और सरकारी भवनों को आग लगा दी। कुर्रम जिले के एक अधिकारी ने बताया, यह हमला शिया उग्रवादी समूह जैनाबियुन ने किया, जिसने गुरुवार को हुई शियाओं की हत्या का बदला लेने की शपथ ली थी। उसके लोगों ने गांवों पर हमला किया और सब कुछ जला दिया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। नरसंहार के एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुष्टि की कि उसने कम से कम छह हमलावरों के भी जले हुए शव देखे। रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने महिलाओं का अपहरण भी किया है और जिले में शिया तथा सुन्नी दोनों संप्रदायों के आदिवासी बुजुर्गों ने हमले तेज करने के संदेश भेजे हैं। कुर्रम जिले में कम से कम तीन अलग-अलग स्थानों से झड़पों की

खबरें अभी भी आ रही हैं, जबकि कोहाट जिले से थल-सदा-पाराचिनार हाईवे बंद है। जारी झड़पों के तेज होने के साथ, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) की प्रांतीय सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए पेशावर से कुर्रम जिले के लिए रवाना हुआ। हेलीकॉप्टर में खैबर पख्तूनख्वा के कानून मंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिरीक्षक से मिलकर बना एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल था। प्रतिनिधिमंडल ने कुर्रम जिले में स्थानीय प्रशासन से मुलाकात की, लेकिन वापस लौटते समय हेलीकॉप्टर पर कथित तौर पर गोलीबारी की गई। हालांकि, हेलीकॉप्टर पेशावर में सुरक्षित उतरने में सफल रहा। कुर्रम जिले में स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। पिछले 48 घंटे में सुन्नी और शिया सांप्रदायिक झड़पों में करीब 100 लोग मारे गए हैं और 200 अन्य घायल हुए हैं। कुर्रम जिले में सांप्रदायिक हिंसा का इतिहास रहा है। प्रांतीय गवर्नर फैसल करीम कुंडी के अनुसार, सितंबर में अलग-अलग घटनाओं में दोनों संप्रदायों के कम से कम 60 लोग मारे गए थे। शिया बहुल पाराचिनार क्षेत्र में शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस वाहनों और सुरक्षा चौकियों में आग लगा दी गई। साथ ही, रास्तों को पत्थरों और जलते हुए टायरों से रोक दिया गया।

अमेरिकी कृषि मंत्री के रूप में ब्रुक रोलिंस के नाम का एलान; ट्रंप के वफादारों में होती है गिनती

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति अगले साल जनवरी में शपथ लेने से पहले अपनी कोर टीम के लिए एक के बाद एक नामों का एलान कर रहे हैं। अब उन्होंने कृषि मंत्री के लिए अपनी पसंद की घोषणा की है। ट्रंप ने यह जिम्मेदारी ब्रुक लेस्ली रोलिंस को दी है। ब्रुक लेस्ली रोलिंस ट्रंप एक अमेरिकी वकील है और ट्रंप की काफी वफादार मानी जाती हैं। इससे पहले ट्रंप ने सीईओ हावर्ड लुटनिक को अमेरिका का वाणिज्य मंत्री और व्यापार प्रतिनिधि बनाने की घोषणा की थी। पहले कार्यकाल से ही ट्रंप की वफादार हैं ब्रुक लेस्ली रोलिंस ब्रुक लेस्ली रोलिंस अभी 52 साल की हैं। वे अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष और सीईओ हैं। उन्होंने पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अधीन संयुक्त राज्य अमेरिका की घरेलू नीति परिषद के कार्यवाहक निदेशक के रूप में कार्य किया था। ट्रंप द्वारा घोषणा किए जाने के बाद रोलिंस ने अमेरिकी किसान का समर्थन करने, अमेरिकी खाद्य आत्मनिर्भरता की रक्षा और कृषि पर निर्भर अमेरिकी छोटे शहरों की बहाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

ट्रंप ने भी इसकी सराहना की है। रोलिंस को नामित करने के बाद ट्रंप ने अब सभी शीर्ष कैबिनेट पदों के लिए चयन पूरा कर लिया है। हालांकि लघु व्यवसाय प्रशासन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय के प्रमुख जैसे कुछ निचले स्तर के पदों पर नियुक्तियां की जानी अभी बाकी हैं। कृषि सचिव के रूप में एक बड़े विभाग को संभालेंगी ब्रुक लेस्ली रोलिंस ट्रंप द्वारा नामित किए जाने के बाद अब अगर सीनेट ब्रुक लेस्ली रोलिंस के नाम पर अपनी सहमति जताएगी तो वे एक बड़े विभाग की जिम्मेदारी निभाएंगी। कृषि विभाग अमेरिका में तकरीबन 100,000 लोगों को रोजगार देता है। इसके साथ ही कृषि कार्यक्रमों, अनुसंधान और व्यापार, खाद्य सुरक्षा, पशु और पौधों के स्वास्थ्य और देश के जंगलों की देखरेख करता है। इसके अलावा, यह विभाग अमेरिका के सबसे बड़े खाद्य सहायता कार्यक्रम का भी प्रबंधन करता है। इस कार्यक्रम के जरिए 40 मिलियन से अधिक लोगों को लाभ होता है। हाल ही में ये नियुक्तियां भी कीं नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को शीर्ष प्रशासनिक पदों के लिए घोषणाएं की थीं। उन्होंने एलेक्स वोंग को प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और डॉक्टर सेबेस्टियन गोर्का को आतंकवादी रोधी के लिए वरिष्ठ निदेशक नियुक्त किया था। इसके अलावा, पूर्व सांसद डॉक्टर डेव वेल्डन को रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक, एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) आयुक्त के लिए मार्टी माकरी और आवास एवं शहरी विकास सचिव के रूप में स्कॉट टर्नर को चुना है। रसेल थुरलो वॉट को यूएस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) का निदेशक नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्तियां अगले साल की 20 जनवरी से प्रभावी होंगी, जब ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

ब्रिटेन में जेल प्रहरियों-शिक्षकों से भी ज्यादा है कैदियों का वेतन, काम के लिए बाहर जाने की भी इजाजत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। यहां के जेलों में बंद कैदियों को उनकी सुरक्षा करने वाले अधिकारियों के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षकों, जैव रसायनज्ञों, मनोचिकित्सकों और दाइयों से अधिक वेतन मिल रहा है। यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है।

कैदियों के पुनर्वास के लिए अहम कदम : बता दें, कुछ कम सुरक्षा वाली खुली जेलों में कैदियों को काम के लिए बाहर निकलने की अनुमति है। मगर, दिन के अंत तक ये जेल में वापस आ जाते हैं। यह कदम कैदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज में जीवन वापस लाने के लिए तैयार करने के ठोस प्रयास का हिस्सा है। हालांकि, कैदियों और नागरिक समाज से संबंधित लोगों के बीच वेतन अंतर ने ब्रिटेन में आय असमानता के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं।

किसे-कितना वेतन मिला : ब्रिटेन में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कैदी को पिछले साल 46,005 डॉलर यानी 38,84,491 रुपये मिले। इसका मतलब है कि उनका सकल वेतन लगभग 57,640 डॉलर (48,66,907 रुपये) था। गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चला है कि नौ अन्य कैदियों की कमाई 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) से ज्यादा थी, जिसका मतलब है कि औसत कामकाजी कैदी को प्रति वर्ष लगभग 25,061 डॉलर (21,16,057 रुपये) का भुगतान किया जा रहा था। इस बीच, एक जेल गार्ड का औसत वेतन 35,085 डॉलर (29,62,446 रुपये) है, जबकि नए भर्ती किए गए लोगों को प्रति वर्ष लगभग 30,073 डॉलर (25,39,252 रुपये) का भुगतान किया जाता है। न्याय मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल कटौती के बाद दो अन्य कैदी थे, जिन्होंने सबसे ज्यादा 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) की कमाई की और अन्य सात ने निजी बैंक खातों में 28,694 डॉलर (24,22,814 रुपये) और 37,591 डॉलर (31,74,044 रुपये) के बीच रखा। हालांकि कैदी कई तरह के काम करते हैं, लेकिन ज्यादा कमाई वाले व्यक्ति ट्रक चलाने का काम करते हैं। जेल सेवा के प्रवक्ता ने कहा, कुछ अपराधियों को उनकी सजा के अंत में अस्थायी लाइसेंस पर रिहाई मिल जाती है। इससे उन्हें जेल लौटने से पहले अपना कुछ दिन समुदाय में बिताना पड़ता है, अक्सर काम करना पड़ता है। अगर वे काम कर रहे हैं, तो उनकी कमाई पर कर, अदालती जुर्माना और 40 प्रतिशत तक का शुल्क देना होगा, जिससे पीड़ितों के लिए चैरिटी को धन मुहैया कराया जाता है। कटौतियों के बावजूद, कैदी दाइयों से आगे थे, जिनका औसत वेतन 45,889 डॉलर (38,74,696 रुपये) था।

किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक खर्च पर भड़के लोग, बोले- पानी की तरह बहाया टैक्स पेयर्स का पैसा

लंदन, एजेंसी। किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक में करीब 90.7 मिलियन डॉलर के खर्चे का बिल सामने आने पर बवाल शुरू हो गया है। ब्रिटेन में राजाशाही का विरोध करने वाले लोगों ने इस बेहिसाब खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं। पिछले साल हुए इस कार्यक्रम सवाल उठाते हुए लोगों ने कहा कि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर संघर्ष कर रहे ब्रिटेन के लिए यह एक बोझ के समान था। इस बेमतलब के समारोह में इंग्लिश टैक्सपेयर्स के 90 मिलियन डॉलर को पानी की तरह बहा दिया गया। सरकारी विभाग द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग ने इस कार्यक्रम में जमकर पैसा लगाया। इन विभागों ने मिलकर करीब 50 मिलियन पाउंड का खर्चा किया। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने भी सालों में एक बार होने वाली इस शाही घटना की निगरानी पर कुल 21.7 मिलियन पाउंड का खर्चा किया। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की 2023 में मृत्यु के बाद उनके बेटे किंग चार्ल्स को गद्दी पर बैठाया गया था। ब्रिटेन के राजा के तौर पर उनकी औपचारिक ताजपोशी के कार्यक्रम में दुनियाभर के जाने-माने लोगों ने भाग लिया था। ताजपोशी के बाद अगली ही रात विंडसर महल में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट भी रखा गया था। इस पूरे कार्यक्रम में जमकर शानो-शौकत का प्रदर्शन किया गया। इसी खर्चे को लेकर लोग ब्रिटेन के शाही परिवार का विरोध कर रहे हैं। विरोधकर्ताओं का कहना है कि हमारा देश अभी महामारी के दौर से निकला है। हमारी सरकार लगातार आर्थिक मोर्चे पर संघर्ष कर रही है। लेकिन इसके बाद भी ऐसे कठिन समय में यह बेमतलब का खर्च किया

जा रहा था। राजाशाही के विरोध में संगठन चलाने वाले ग्राहम स्मिथ ने सीएनएन से कहा कि जब ब्रिटेन में बच्चे स्कूल नहीं जा पर रहे हैं तो ऐसे समय में किस लोकतंत्र में शाही परिवार के ऊपर इतना पैसा खर्च किया जा सकता है। यह बहुत गलत है। राजशाही का विरोध करने वाले लोगों ने शाही परिवार को मिलने वाले लाभों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में राजा को जो रियायतें और लाभ दिए जाते हैं वह बहुत ज्यादा है। यूरोप में और भी देश हैं जो राजाशाही मानते हैं लेकिन वह अपने राजाओं और शाही परिवारों को ब्रिटेन के बराबर लाभ नहीं देते। ब्रिटेन के शाही परिवार को हाल ही में अपनी संपत्तियों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ा था। परिवार के ऊपर आरोप लगा था कि वह सरकार से करों में छूट लेकर सार्वजनिक व्यापार से धन कमा रहे हैं।

शाही परिवार के साथ काम करने वाले एक प्रमुख सरकारी विभाग ने राज्याभिषेक के बारे बयान जारी करते हुए लिखा कि किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक के कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा गया था। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन समेत दुनियाभर के कई लाखों लोगों ने देखा था। यह पीढ़ी में एक बार होने वाला क्षण है इसलिए इसे यादगार बनाना जरूरी है। इस कार्यक्रम की भव्यता को बढ़ाने के लिए सोने की गाड़ी का जुलूस निकाला गया और राजाशाही के आभूषणों का प्रदर्शन किया गया।

E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com

भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास, पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने लंबे समय के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच दिया है। भारतीय क्रिकेट टीम ने जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो रोहित शर्मा भी हासिल नहीं कर सके थे। भारतीय टीम ने 25 नवंबर (सोमवार) को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 (बीजीटी) के पहले मैच में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को ये जीत 295 रनों से मिली है।

ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चौथी पारी में पहली पारी की तुलना में अधिक मजबूत वापसी की। हालांकि भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी और अंततः उन्हें 238 रनों पर समेट दिया। इस जीत के साथ

भारत अब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

गौरतलब है कि इस मैच के दौरान भारतीय टीम की एक अविश्वसनीय ऑलराउंड परफॉर्मेंस देखने को मिली है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में मात्र 150 रन पर आउट होने के बाद, बुमराह के पांच विकेट की अगुआई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर ढेर कर दिया और 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया क्योंकि उन्होंने बल्ले से मैच में अपना दबदबा बनाया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली और अनुभवी विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए इस साल का अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, उन्होंने 143 गेंदों पर 100 रन बनाए। जायसवाल और कोहली की मदद से भारत ने 487-6 रन बनाकर पारी घोषित की और ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा।

चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की तुलना में बेहतर वापसी की। ट्रैविस हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की और 89 रन बनाए तथा मिशेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी विकेट लिया और मेजबान टीम 238 रन पर ढेर हो गई तथा 295 रन से हार गई।

टीम इंडिया की यह जीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। श्रृंखला में हार के बाद क्रिकेट जगत और मीडिया दोनों ने भारतीय टीम और नए प्रबंधन, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, की कड़ी आलोचना की। यह जीत भारत की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत भी है और वह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई।

पर्थ पहुंचते ही पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी में जुटे रोहित

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सोमवार को पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन टीम से जुड़ गए। रोहित रविवार को वहां पहुंचे और सोमवार को टीम के ड्रेसिंग रूम में कोच गौतम गंभीर के साथ नजर आए।

अपने बेटे के जन्म के कारण पर्थ में पहला टेस्ट मैच मिस करने वाले रोहित भारत की टेस्ट टीम के नियमित कप्तान हैं। रोहित ने दूसरे टेस्ट की तैयारी शुरू कर दी है। वह नेट्स पर जमकर प्रैक्टिस करते हुए दिखाई दिए। फॉक्स स्पोर्ट्स ने यह भी दिखाया कि रोहित लंच ब्रेक के दौरान पर्थ में नेट्स पर गुलाबी गेंद से अभ्यास कर रहे थे, जिसमें रिजर्व खिलाड़ी नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार उन्हें गेंदबाजी कर रहे थे। भारत को 30 नवंबर और 1 दिसंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय पिंक गेंद अभ्यास मैच खेलना है, जिसके बाद 6-10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, 'लंच ब्रेक के दौरान यहां नेट पर हमारे पास भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, जो अभी-अभी यहां आए हैं। 6 दिसंबर को एडिलेड में शुरू होने वाले पिंक गेंद टेस्ट मैच से पहले हमारे पास कुछ भारतीय तेज गेंदबाज, अपने कप्तान के खिलाफ गेंदबाजी कर रहे हैं। जैसा कि हमने अभी देखा कि मुकेश कुमार एक अच्छी गेंद फेंक रहे हैं। लेकिन कप्तान को यहां देखना बहुत अच्छा है। हम उन्हें अगले कुछ दिनों में ऑस्ट्रेलियाई धरती पर फिर से मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हैं।' रोहित की अनुपस्थिति में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत की थी। पर्थ में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 26 और 77 रनों की पारी खेलते हुए स्ट्रोक-प्ले और डिफेंस में ठोस प्रदर्शन किया। राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रनों की ओपनिंग साझेदारी भी की, जिन्होंने शानदार 161 रन बनाए, जिससे भारत ने दूसरी पारी में 487/6 पर पारी घोषित की।

कोच गौतम गंभीर के साहसिक निर्णयों से भारतीय खिलाड़ियो में लौटा आत्मविश्वास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखकर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तीसरे दिन का खेल टीम इंडिया के लिए शानदार रहा, जिसने महज 4.2 ओवर में तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मेहमान टीम अब पांच मैचों की सीरीज में पहला मैच जीतने की ओर अग्रसर है।

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज के बाद धैर्य और लचीलापन दिखाया है, और रविवार को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बढ़त हासिल की। कुछ दबाव मंर होने के बावजूद, भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज की तैयारी के दौरान अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन किया है।

विराट कोहली की बल्लेबाजी और सीरीज से पहले उनके फॉर्म पर सवाल उठाए जा रहे थे। हालांकि, गंभीर ने पूरे समय अनुभवी खिलाड़ी का साथ दिया और कोहली ने उन पर दिखाए गए भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने अपने करियर का 30वां टेस्ट शतक जड़ा और भारत को ऑस्ट्रेलिया के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखने में मदद की। कोहली ने जैसे ही 143 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, भारत की पारी घोषित कर दी गई। इसके बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जारी किए गए वीडियो में उन्हें पारी के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने मुख्य कोच को गले लगाते हुए देखा गया।

गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम बदलने और केएल राहुल को जायसवाल के साथ ओपनिंग करने के लिए भेजने का फैसला भी कारगर साबित हुआ। दोनों ने 383 रनों में 201 रनों की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। केएल राहुल ने अपनी भूमिका निभाई और क्रीज पर डटे रहे, जिससे पारी की शुरुआत से ही लय बनी रही, जबकि जायसवाल ने भी अपना शतक पूरा किया। गंभीर पर सीरीज से पहले हर्षित राणा और नितीश रेड्डी को मौका देने पर भी सवाल उठाए गए थे, लेकिन मैदान पर उनके प्रदर्शन से उन सवालों के भी जवाब मिल गए हैं।

भारतीय टीम एक बार फिर डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में मिली बड़ी जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिक में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं इससे पहले घरलू सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम दूसरे नंबर पर खिक गयी थी। अब भारतीय टीम ने बुमराह की कप्तानी में एक बार फिर जबरदस्त वापसी की है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इसके बाद भी उसे 4 टीमों से टक्कर मिलना तया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच से पहले भारत के अंक तालिका में 58.33 अंक थे। वह न्यूजीलैंड से 0-3 से हारने के बाद पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर फिसल गयी थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया 62.50 अंक के साथ ही पहले नंबर पर आ गया था पर अंक तालिका में भारतीय टीम नंबर एक पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे नंबर पर खिसका दिया है। भातरीय टीम के अब अंक तालिका में 61.11 अंक जबकि ऑस्ट्रेलिया के 57.69 अंक हो गये हैं।

भारत को हालांकि अब ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से भी खतरा है। इसका कारण ये है कि ऑस्ट्रेलिया की तरह इन तीनों ही टीमों को एक या दो घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है.।इस कारण उनके सीरीज जीतने की संभावना बनी रहेगी। अगर न्यूजीलैंड, दक्षिण

अफ्रीका या श्रीलंका अपनी सीरीज में क्लीन स्वीप करें तो वे भारत और ऑस्ट्रेलिया को पहले और दूसरे नंबर से धकेल सकते हैं।

भारत के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने का आसान रास्ता तो यही है कि वह ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में हराए. इससे वह ऑस्ट्रेलिया से बेहतर स्थिति में बना रहेगा। जीत का यह अंतर 3-0, 3-1 या 4-1 रहे तो बहुत अच्छा.।अगर जीत का अंतर 2-1 या 3-2 रहे या सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही तो भारत तीसरे नंबर पर खिसक सकता है। 2-2 से ड्रॉ होने पर भारत के डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 55.26 अंक रहेंगे।भारत अगर दूसरी टीमों के प्रदर्शन के समीकरण में नहीं उलझना चाहता तो उसे ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतनी होगी। अगर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बराबरी पर रही तो भारत तभी डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा, जब इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को टेस्ट सीरीज ना जीतने दे। इसी तरह पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दक्षिण अफ्रीका में एक-एक मैच जरूर जीते।. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका में एक मैच जीते।

दिल्ली कैपिटल्स को सफल बनाना रहेगा लक्ष्य : बदानी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कोच बने हेमांग बदानी का लक्ष्य अपनी टीम को सफल बनाना है। पूर्व क्रिकेटर बादानी ने कहा कि उनके अंदर कोचिंग को लेकर उत्साह है और वह बिना लाइम लाइट में आये काम करना चाहते हैं। बदानी ने कहा कि कोच के तौर पर मैं टीम का प्रभावित कर सकता हूं। साथ ही कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीत हासिल करना रहेगा। बदानी ने कहा, '' मैंने यहां आने के लिए अपनी योग्यताएं अर्जित की हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छे फैसले लेने के साथ अच्छी चीजें कर सकूंगा।''उन्होंने कहा, '' आप बहुत अधिक रणनीति बनाते हुए देखेंगे, आप एक बहुत ही शांत कोच देखेंगे, जो पृष्ठभूमि में काम करता है। मैं बोलने की जगह अपने काम से जवाब देने में विश्वास रखता हूं। मुझे टी20 क्रिकेट में कुछ सफलता मिली है, क्योंकि मुझे सच में विश्वास है कि मुझमें कोचिंग के प्रति जुनून है और मुझे लगता है कि मैं प्रभाव डाल सकता हूं।''साथ ही कहा, ''मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीतना रहा है। दिल्ली कैपिटल्स अब नये कोच और कप्तान निकोलस पूरन के साथ आईपीएल सत्र में उतरेगी।

डिविलियर्स ने यशस्वी को भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार बताया

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्टार क्रिकेर रहे एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स ने कहा कि जिस प्रकार से यशस्वी बल्लेबाजी करते हैं वह क्रिकेट का सुपरस्टार है जो भविष्य में विश्व क्रिकेट में धूम मचा देगा। पर्थ टेस्ट मैच में युवा यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए दूसरी पारी मे शानदार शतक लगाया। यशस्वी ने 161 रनों

की बड़ी पारी खेली। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर भातरीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अपनी आक्रामक पारी से जायसवाल ने दिखा दिया है कि क्यों उनसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज डरते हैं। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जमाकर इतिहास रच दिया। यशस्वी का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह पहला टेस्ट शतक है। डिविलियर्स ने यशस्वी की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, मैं यशस्वी को काफी समय से देख रहा हूं, मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार है। उसने पर्थ टेस्ट मैच में दिखा दिया है कि वह क्या कर कसता है। डिविलियर्स ने जायसवाल को लेकर आगे कहा कि, जायसवाल में भारतीय क्रिकेट का महान बल्लेबाज बनने की काबिलियत है, उसके अंदर काफी प्रतिभा है और इसे आगे ले जाने और निखारने की जरुरत है। साथ ही कहा कि ऐसे क्रिकेटर को बार-बार अवसर देकर भारतीय क्रिकेट अच्छा कर रहा है। मुझे उनकी बल्लेबाजी को देखकर काफी आनंद आता है। वास्तव में वो भारतीय क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी महान बल्लेबाज बनने की ओर अग्रसर है।साथ ही कहा कि जायसवाल ने दिखा दिया कि उन्हें लोग भविष्य का सुपरस्टार मानते हैं।

नटराजन की भरपाई कोई नहीं कर सकता, सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच का बड़ा बयान

जेद्दा (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी आईपीएल की बड़ी नीलामी के पहले दिन इशान किशन को अपने साथ जोड़कर सबसे ज्यादा उत्साहित थे लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि टी नटराजन का दिल्ली कैपिटल्स के पास जाना उनके लिए नुकसान था। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले किशन को रविवार को सनराइजर्स ने 11 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीदा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए यह साल उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने के बोर्ड के आदेश की अवहेलना करने के कारण भारतीय टीम में अपनी जगह के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का केंद्रीय अनुबंध भी खो दिया। हालांकि उनकी रणजी ट्रॉफी में वापसी हुई है। सनराइजर्स ने नीलामी के पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी (10 करोड़ रुपए) और हर्षल पटेल (आठ करोड़ रुपए) सहित आठ खिलाड़ियों को खरीदा। हालांकि वे टी नटराजन को वापस नहीं खरीद पाए और विटोरी ने कहा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के नुकसान की भरपाई कोई नहीं कर सकता।

नीलामी से पहले सनराइजर्स ने कप्तान पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और नितीश रेड्डी सहित पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था। विटोरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'नट्टू (नटराजन) के जाने की भरपाई कोई नहीं कर सकता (मुस्कुराते हुए)। हर टीम इससे गुजरती है, चाहे आप खिलाड़ियों को जल्दी से जल्दी खोजने की कोशिश करें और मौकों पर झपटें या फिर आप आखिरी मौके का इंतजार करें।'

नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। विटोरी ने कहा, 'हमने आज मौका मिलने पर उसे अपने पक्ष में करने का फैसला किया और मोहम्मद शमी उनमें से एक थे और फिर हर्षल पटेल, वे दो ऐसे खिलाड़ी थे जिनके बारे में हमने सोचा भी नहीं था कि वे इन कीमतों (कम कीमत) पर बिकेंगे। और फिर इशान किशन हमारे लिए बहुत बड़ी डील थी। हम उसे अपने साथ जोड़ना चाहते थे और हमें लगा कि वह अधिक कीमत पर बिकेगा। इसलिए इन तीन खिलाड़ियों और बाकी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की खुशी है।'

विटोरी भारत के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए कोचिंग की अपनी जिम्मेदारी से समय निकालकर नीलामी के लिए आए हैं। विटोरी ने कहा कि चुने गए खिलाड़ियों से कप्तान कमिंस सहमत हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व स्पिनर ने कहा, 'हां, हां

(कमिंस से सुझाव) मिले थे। आज रात कप्तान दुखी था (पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के पीछे रहने का जिक्र करते हुए), उसके लिए एक कठिन दिन था। मैंने आज (रविवार) सुबह उससे बात की और उसने उन खिलाड़ियों के तर्क को समझा जिन्हें हमने चुना था और फिर उसके पास बाकी टीम को तैयार करने के लिए कुछ विचार थे।'

मुशफिकुर वेस्टइंडीज वनडे के लिए उपलब्ध नहीं, नजमुल का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जबकि कप्तान नजमुल हुसैन का खेलना भी संदिग्ध है। दोनों ही खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए थे, क्योंकि वे अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी चोटों से उबर रहे हैं। यूएई में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान की पारी के अंत में, विकेटकीपिंग करते समय मुशफिकुर को बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी और मैच के बाद एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके कारण उन्हें चार से छह सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ा। दूसरे वनडे में, नजमुल को फील्डिंग करते समय कमर में चोट लग गई और मैच के बाद उनका स्कैन किया गया, जिसमें पता चला कि उनके बाएं कमर में ग्रेड-2 खिंचाव है। नतीजतन, वे वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, जहां तक मुशफिकुर का सवाल है, मुझे नहीं लगता कि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल पाएंगे, क्योंकि उन्हें ठीक होने के लिए और समय चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपनी टीम की घोषणा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि हम अपने नियमित कप्तान नजमुल की प्रगति देख रहे हैं और यह देखने के लिए समय ले रहे हैं कि वह खेल पाते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, हम उनके साथ कोई जोखिम नहीं ले सकते, क्योंकि यह कमर की चोट है और अगर वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे खेलने से इसे और नुकसान पहुंचाते हैं, तो उस स्थिति में उन्हें एक से डेढ़ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहना पड़ सकता है और यह काफी विनाशकारी हो सकता है, क्योंकि हमारे पास चैंपियंस ट्रॉफी है, लेकिन मुझे लगता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

हाओ रान ने ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस जीती

झुहाई। अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई। 67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरुआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे। अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे। हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा। पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

भुवनेश्वर कुमार के लिए भिड़ी तीन टीमें, अब विराट कोहली के साथ आरसीबी में खेलेंगे भुवी

मुम्बई । आईपीएल मेगा ऑक्शन के दूसरे दिन गेंदबाजों की काफी डिमांड देखने को मिली। अनुभवी भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। दरअसल, भुवी को लेकर तीन टीमों के बीच

गहमा-गहमी देखने को मिली। उनके लिए तीन टीमों ने एक के बाद एक बोली लगाई और दो करोड़ की बेस प्राइस देखते ही देखते आठ करोड़ के ऊपर पहुंच गई। आखिर में आरसीबी को कामयाबी मिली और उन्होंने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया। भुवनेश्वर कुमार के लिए पहली बोली मुंबई इंडियंस ने लगाई। इसके तुरंत बाद लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम भी नीलामी में कूद पड़ी। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम बोली को 10 करोड़ रुपये तक ले गई। इसके बाद मुंबई थोड़ी रुकी, हालांकि, उन्होंने बोली को बढ़ाकर 10.50 कर दिया। इसके बाद आरसीबी की टीम ने 10.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई। यही भुवनेश्वर कुमार के लिए बोली रही और वह आरसीबी का हिस्सा बन गए। भुवनेश्वर पिछले साल 2025 तक सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते थे। लेकिन इस बार हैदराबाद ने उन्हें रिलीज कर दिया। वहीं नीलामी में भी हैदराबाद ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। जिसके बाद वह आरसीबी के खेमे में आ गए। हालांकि, भुवी के हैदराबाद से जाने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के फैंस उन्हें काफी मिस कर रहे हैं।

मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखना चाहता हूं: बुमराह

पर्थ (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को कहा कि उन्हें कप्तान और गेंदबाज के रूप में कठिन परिस्थितियों में दबाव झेलने में मजा आता है और इससे टीम के कम अनुभवी खिलाड़ियों का काम काफी आसान हो जाता है। बुमराह ने पर्थ टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। वह इस मैच के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुए।

भारत ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से करारी शिकस्त दी। बुमराह ने यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब परिस्थितियां मुश्किल होती है तो मैं इस बारे में सोचता हूं कि मैं किस तरह से योगदान दे सकता हूं। यह तब भी होता है जब मैं टीम का नेतृत्व नहीं कर रहा होता हूं। ऐसे में जब भी मुश्किल परिस्थिति आती है तो मैं उसका जवाब ढूंढने की कोशिश करता हूं। मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखकर सहज रहता हूं।''

हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे युवा खिलाड़ियों में भी बुमराह की इस सोच का प्रभाव दिखा और पदार्पण करने वाले ये इन दोनों युवा ने यहां के ऑप्टस स्टेडियम में अहम मौके पर शानदार योगदान दिये।

बुमराह ने कहा, '' मैं खुद को उस कठिन परिस्थिति में डालने की कोशिश कर रहा था ताकि नये खिलाडियों का काम आसान हो सके। आप जानते हैं अपने शुरुआती मैचों अधिक जिम्मेदारी लेना बहुत आसान नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' मैं मैच में उनसे दबाव कम करने की कोशिश कर रहा था और मुझे खुशी है कि उनका रवैया सकारात्मक रहा।'' इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद बुमराह एडिलेड टेस्ट में टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये है। बुमराह से जब कप्तान छोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुटिले अंदाज में कहा, ''मैं उन्हें बताऊंगा कि मैं आसानी से इसे छोड़ने वाला नहीं हूं।''

इस 30 साल के खिलाड़ी ने कहा, '' मैं ने इस मसले पर पहले भी कहा है कि वह (रोहित) शानदार कप्तान है और उनका काम शानदार रहा है। मैं बस उनकी जगह की भरपाई कर रहा था।'' बुमराह ने कहा, '' जब वह भारत में थे तो चर्चा हुई थी। हम ने टीम को लेकर काफी बातचीत की है। मैं उसकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान

08
भीलवाड़ा

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

भीलवाड़ा/ मंगलवार 26 नवम्बर 2024

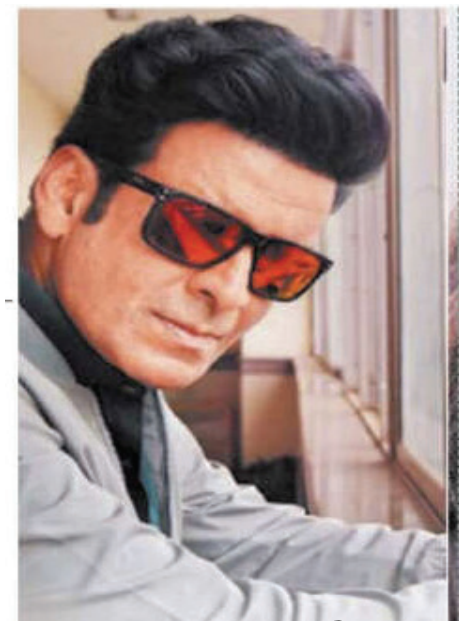

मनोज बाजपेयी ने बताया डिस्पैच की शूटिंग के दौरान क्या थी चुनौती

गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 की शुरुआत हुई, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए। अभिनेता ने अभिनय और फिल्म उद्योग के वर्तमान मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, उनकी आगामी फिल्म डिस्पैच का प्रीमियर भी इस महोत्सव में हुआ। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने उन क्षेत्रों के बारे में बताया, जिन्हें वह बतौर अभिनेता तलाशना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग के दौरान घायल होने का भी जिक्र किया।

शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी का घुटना हो गया था चोटिल

एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा, यह फिल्म एक पत्रकार की अंदरूनी और बाहरी दोनों दुनिया की खोज करती है। इन दोनों दुनियाओं में नेविगेट करने की कोशिश में, मेरे पैर कभी-कभी इधर-उधर हो जाते थे और इन सब में, मेरा घुटना घायल हो गया। यह अभी भी ठीक हो रहा है। बताते चलें कि फिल्म में मनोज बाजपेयी एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जो एक बड़े वित्तीय घोटाले को उजागर करने के लिए घंटों काम कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी को बताया अनोखी

अभिनेता ने आगे कहा, यह एक बहुत ही अनोखी और वास्तविक स्क्रिप्ट थी। यह फिल्म एक अभिनेता के रूप में मेरे विकास के लिए काफी मददगार रही। डिस्पैच का निर्देशन कनु बहल ने किया है। इसके अलावा उन्होंने इसे इशानी बनर्जी के साथ मिलकर लिखा भी है। इसे आरएसवीपी मूवीज के बैनर तले रोनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में शाहाना गोसेमी और अर्चिता अग्रवाल भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को बनाने के दौरान आने वाली चुनौती पर बाजपेयी ने कहा, जिस तरह से उन्होंने और इशानी ने स्क्रिप्ट लिखी थी, उसमें कोई भी लोकेशन दोहराई नहीं जा रही थी। यह एक अलग तरह की प्रोडक्शन चुनौती थी। हम सभी कोविड की डेल्टा लहर के दौरान संक्रमित हो गए थे, फिर हम शूटिंग शुरू करने के लिए वापस आ गए।
हाल में ही रिलीज हुआ है डिस्पैच का टीजर डिस्पैच का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसकी शुरुआत जॉय (मनोज बाजपेयी) के फ्लैट में खिड़की के शीशे टूटने से होती है। वह एक कोने में भागता है, तभी उसे पता चलता है कि उसकी खिड़कियों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जा रहे हैं। कुछ क्षण बाद, एक निजी नंबर से कॉल आती है, जिसमें उसे जांच बंद करने का निर्देश दिया जाता है। धमकी से विचलित हुए बिना, जॉय सच्चाई और सही कहानी की तलाश में दृढ़ रहता है।

मुझे स्ट्रॉन्ग रोल्स निभाने में काफी मजा आता है

अनीता हसनंदानी ने हाल ही में अपने शो सुमन इंदौरी में अपने किरदार देविका के बारे में बात की। उन्होंने मां बनने के बाद काम पर लौटने और मॉम गिल्ट के बारे में भी अपनी राय शेयर की....

डेली सोप पर वापसी करना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा

आरव को घर छोड़ना मेरे लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल रहा है, लेकिन धीरे-धीरे इसके साथ एडजस्ट कर रही हूं। काम पर लौटने की खुशी है, क्योंकि मुझे शूटिंग बहुत पसंद है और इसे काफी मिस कर रही थी। पर उसी खुशी के साथ मॉम गिल्ट भी है। मुझे लगता है कि पैरेंट्स के तौर पर हमें अपनी जरूरतों और पैशन का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हम अपनी लाइफ को बैलेंस कर सकें। रोहित भी मेरे काम के दौरान आरव के साथ पूरा समय बिताने की कोशिश करते हैं, ताकि उसे हमारी कमी महसूस न हो।

कई नई मदर्स को मॉम गिल्ट महसूस होता है, आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा

में हमेशा से एक करियर बुमन रही हूं. 16 साल की उम्र से काम कर रही हूं लेकिन अब जब आरव आया है, तो अक्सर दिमाग में कन्फ्लिक्ट्स होते हैं। कई बार लगता है बस सब कुछ छोड़कर सिर्फ आरव के साथ रहूं और कभी लगता है कि मैं क्या कर रही हूं। इसलिए में बस फ्लो के साथ चलती हूं। मेरे लिए इंडस्ट्री में अच्छा ये है कि मेरे पास ये ऑप्शन है कि मैं काम को चुन सकती हूं। सो, में सोच-समझकर डिसाइड करती हूं।। लेकिन हां, मॉम गिल्ट सच में होता है।

अपने किरदार को निभाते हुए कितना एन्जॉय कर रही हैं

बहुत ही एक्साइटिंग और मसालेदार अनुभव है। देविका के किरदार में करने के लिए बहुत कुछ है, इतना कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि किसी किरदार के लिए में खुद क्रिएटर को फोन करके कहेंगी इतने लेयर्स हैं कि में कन्फ्यूज हो रही हूं। इस किरदार में बहुत गहराई है, बहुत कुछ करने का मौका मिल रहा है। एक एक्टर के तौर पर में इसे पूरी तरह एन्जॉय कर रही हूं। इस किरदार के लिए मैंने इंदौर की महिलाओं को दिनचर्या और भावनाओं को गहराई से समझा। खासकर बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं का प्यार और रुतबा, जो मां की आंखों में छिपी बातों और इशारों से समझा जा सकता है।

शुरुआत में आप और आपकी टीम ने इंदौर में शूटिंग की। वहां का अनुभव कैसा रहा

इंदौर में शूटिंग करना एक बेहद शानदार अनुभव था। शहर को एनर्जी कमाल की है, और मजा इस बात का था कि शो में इसे कैप्चर करने का मौका मिला। हम लोग वहां की लीकल संस्कृति में पूरी तरह घुल-मिल गए, छप्पन दुकान और सराफा बाजार में जाकर बहुत ही मजेदार स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाया। कुछ सीन हमने एक लोकल स्कूल में शूट किए और उस माहौल ने हमारे अपने स्कूल के दिनों की यादें ताजा कर दी। इंदौर के लोगों की गर्मजोशी और शहर का चार्म शूटिंग का एक खास अनुभव बना गया।

अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि देती है प्रतीक गांधी, दिव्येंदु की फिल्म अग्नि

राहुल ढोलकिया की आगामी फिल्म अग्नि का ट्रेलर 21 नवंबर को जारी किया गया। यह फिल्म अग्निशमन कर्मियों की बहादुरी और बलिदान का जश्न मनाएगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सैयामी खेर, साई ताम्हणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह भी इसमें सहायक भूमिका में हैं। दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में विट्ठल (प्रतीक गांधी) और उसके बहनोई समित (दिव्येन्दु), जो एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, शहर में लगी आग के पीछे के रहस्य को उजागर करने के लिए एक साथ मिलकर काम करते हैं। जैसे-जैसे वे अपने मतभेदों और समय के खिलाफ दौड़ से जूझते हैं, उन्हें मामले को सुलझाने और मुंबई को आसन्न आपदा से बचाने के लिए व्यक्तिगत संघर्षों को सुलझाना होगा।
निर्देशक राहुल ढोलकिया ने कहा, अग्नि के साथ, मैं एक ऐसी कहानी लाने के लिए रोमांचित हूं जो अग्निशामकों की बहादुरी का जश्न मनाती है और उनकी भावनात्मक यात्राओं की खोज करती है। अग्निशामक असल जिंदगी के नायक हैं, जो अनगिनत जोखिमों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह फिल्म उनके बलिदान, निष्ठा और लचीलेपन को श्रद्धांजलि है। अभिनेता प्रतीक गांधी ने इस परियोजना को परिवर्तनकारी बताया और कहा, अग्नि सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है; यह अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि है – हमारे समाज के गुमनाम नायक। उनकी चुनौतियों को समझना सम्मान की बात है, और मैं दर्शकों को मानवीय लचीलेपन की इस कहानी का अनुभव कराने के लिए उत्सुक हूँ। सह-कलाकार दिव्येंदु ने इस भूमिका को अपने करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। अग्निशमन कर्मियों की गहन दुनिया में डूबे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना बहुत सार्थक था। अग्नि ने मुझे अपने शिल्प की कच्ची और भावनात्मक गहराई का पता लगाने में सक्षम बनाया, और मुझे विश्वास है कि यह दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा, द रेलवे मेन अभिनेता ने कहा। फिल्म का प्रीमियर 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर होगा।

टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है

विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर देवांगना चौहान, जो ड्राइव विद नैनो (सीजन 3) जैसे शो का हिस्सा रही हैं, जिसकी विजेता हैं, और धड़कन जिंदगी की, सपनों की छलांग, और सावी की सवारी, जैसे कुछ शो का नाम लें, ने कहा, मुझे लगता है कि टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे वह समय याद है जब सास-बहू ड्रामा और समाज पर इसके प्रभाव का खुलासा हुआ था। उन्होंने बताया कि जब वह छोटी थीं, तो जब वे दुकानों पर जाती थीं, तो वे सामान बेचते थे, और कहती थीं कि यह दीया और बाती हम या तुलसी सारे जैसा ही था। उन्होंने कहा, अब चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन लोग टीवी और टीवी शो से बहुत प्रभावित हुए हैं, चाहे वह लुक हो, किरदार हो या जश्न हो। उन्होंने बताया कि टेलीविजन बहुत ही भरोसेमंद है और उनका मानना है कि लोग स्क्रीन पर दिखने वाले किरदारों से प्रभावित होने लगते हैं।
उन्होंने कहा, हर व्यक्ति जो टेलीविजन देख रहा है, वह धीरे-धीरे खुद में किरदार देखना शुरू कर देता है और घर में बैठकर किरदार और दर्शक जुड़ने लगते हैं। यह सिर्फ धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में भी है जो हमें देखने को मिलते हैं। टेलीविजन अधिक यथार्थवादी हो गया है, और यहां तक कि दर्शक भी अधिक यथार्थवादी हो गए हैं। टीवी अभी मुक्ति के चरण में है। मुझे नहीं लगता कि ओटीटी की तुलना टीवी से करने की जरूरत है, क्योंकि दोनों का अपना आकर्षण है। 90 के दशक की बच्ची देवांगना दूरदर्शन पर सुरभि और चित्रहार देखकर बड़ी हुई हैं।

रूल ब्रेकर्स में फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करेंगे अली फजल

ली फजल बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड में भी अ एक्टिव हैं। उन्हें वहां की बड़ी फिल्म फ्रेंचाइज में काम मिलता रहा है। अली ने हाल ही में आगामी फिल्म रूल ब्रेकर्स में एक्ट्रेस फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करने की घोषणा की। एंजेल स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट अली के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और मील का पत्थर है। दो बार के ऑस्कर विजेता बिल मुटेंटैग द्वारा निर्देशित रूल बेकर्स अफगानिस्तान में लचीलेपन और अवज्ञा के विषयों की पड़ताल करती है। इस फिल्म में अली की भागीदारी एक एक्टर के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न शैलियों में विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। अली ने कहा... मैं रूल ब्रेकर्स का हिस्सा बनकर और फीबी वालर ब्रिज जैसी प्रतिभाशाली एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन शेयर करके रोमांचित है। यह प्रोजेक्ट मेरे साथ गहराई से जुड़ता है और मेरा मानना है कि ऐसी कहानियां बताना महत्वपूर्ण है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में व्यक्तियों की ताकत और लचीलेपन को उजागर करती हैं। में इस कथा को जीवंत करने और विश्व स्तर पर दर्शकों तक पहुंचने के लिए उत्सुक हूं। फीबी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए अली ने आगे कहा... में एक फिल्म का सपोर्ट करने में सक्षम होने के लिए इतना रोमांचित हूं कि यही कहूंगा कि हर माता-पिता को अपनी बेटी को सिनेमाघरों में ऐसी फिल्म देखने के लिए ले जाना चाहिए और कहानी इतनी प्रेरणादायक होने के कारण यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि फीबी ने भी इसमें कदम रखा। बेशक वह टैलेंट का पावरहाउस है इसलिए मुझे यकीन है कि उनके जुड़ने से फिल्म नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। हम लड़कियों के लिए अफगानी रोबोटिक्स टीम के साथ रोया महबूब की लाइफ और उनको जर्नी के विभिन्न फेज में अहम भूमिका निभाते हैं।

साउथ सिनेमा में विलेन के रोल में नजर आए ये बॉलीवुड स्टार्स, बॉबी से लेकर संजय का नाम शामिल

बॉलीवुड के कई सितारे हैं, जिन्होंने साउथ की फिल्मों में खलनायक की भूमिका में खूब नाम कमाया है। इन दिनों बॉबी देओल अपनी फिल्म कंगुवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बॉबी के अलावा सैफ अली खान और संजय दत्त ने भी साउथ की फिल्मों में खूंखार विलेन के किरदार निभाएं हैं। आइए जानते हैं किस बॉलीवुड अभिनेता ने कौन सी फिल्म में कैसा किरदार निभाया है।

बॉबी देओल-कंगुवा

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी साउथ फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कंगुवा से पहले बॉबी फिल्म एनिमल में अबरार की भूमिका से खूब चर्चा बटोर चुके हैं। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म एनिमल में बॉबी का किरदार भले ही खूंखार विलेन अबरार का था, लेकिन उनका अभिनय हर किसी को बेहद पसंद आया। अब वहीं बॉबी साउथ फिल्म कंगुवा में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में बॉबी को विलेन के किरदार में देखने के लिए दर्शकों काफी उत्साहित हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है और इसमें बॉबी का भयानक लुक भी सामने आ चुका है। कंगुवा को इस साल की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म माना जा रहा है।

सैफ अली खान-देवरा

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान लगातार कई फिल्मों से प्रशंसकों का दिल जीतते आए हैं। लेकिन क्या आपको पता है सैफ को खलनायक की भूमिका में प्रशंसकों ने भरपूर दिया। यहां बात कर करे हैं फिल्म देवरा पार्ट 1 की। सैफ ने साउथ की फिल्म देवरा पार्ट 1 में खलनायक की भूमिका निभाई, जिसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सैफ ने देवरा में विलेन भैरा का किरदार निभाया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। सैफ के अलावा फिल्म में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर को जोड़ी नजर आई थी।

संजय दत्त- केजीएफ चैप्टर 2

केजीएफ चैप्टर 2 साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक रही है। इसका पहले पार्ट केजीएफ को भी काफी सफलता मिली थी। एक 2022 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन फिल्म को प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया था। फिल्म को विजय किरागांदुर ने अपने होम्बले फिल्म्स बैनर के तहत इसका निर्माण किया है। केजीएफ चैप्टर 1 से ज्यादा सफलता केजीएफ चैप्टर 2 को मिली। इस फिल्म के दूसरे पार्ट में साउथ अभिनेता यश ने जमकर प्रसिद्धी हासिल की। केजीएफ 2 में विलेन के रोल में संजय दत्त को भी खूब पसंद किया गया। फिल्म में संजय ने अधीरा नाम के खलनायक की भूमिका निभाई, जो हर किसी के दिल में घर कर गई।

अक्षय कुमार-फिल्म 2.0

2.0 फिल्म में रजनीकान्त, एमी जैक्सन, भीमा डगला और अक्षय कुमार मुख्य किरदार में नजर आए थे। इस साउथ फिल्म में अक्षय ने एक विलेन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अक्षय ने पंछी राजन की भूमिका निभाई, जो कि एक साइंस प्रोफेसर होता है, लेकिन उसके इरादे काफी खतरनाक होते हैं।

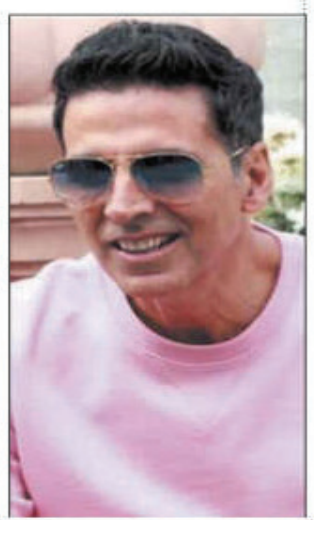

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com